माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं ठप होने से शुक्रवार को दुनिया भर में कंपनियों का कामकाज बाधित हुआ है। भारत समेत अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी और इंग्लैंड में एयरलाइंस, एटीएम, बैंकिंग और कॉरपोरेट के काम प्रभावित हुआ है।


# जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः29 अंकः219 दिनांकः20-07-2024 शनिवार मूल्यः1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

लोकप्रिय ट्विटर एलन मस्क के स्वामित्व में एक्स के रूप में जानी जाती है। इस सोशल नेटवर्क पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सबसे अधिक सोशल मीडिया यूजर्स फॉलो करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी को एक्स के मालिक एलन मस्क ने बधाई दी।

## दुनियांभर के बैंकों और हवाई अड्डों का काम हुआ ठप

### -माइक्रोसॉफ्ट विंडोज में आई खराबी -बैंक और विमान कंपनियों के काम-काज हुए प्रभावित

नई दिल्ली ( ईएमएस )। माइक्रोसॉफ्ट विंडोज में आई खराबी के चलते दुनियाभर के तमाम कंप्यूटर और लैपटॉप आज अचानक बंद पड़ गए। इसके चलते विमान कंपनियों, बैंकों और अनेक माडिया हाउस का कामकाज ठप हो गया। कंप्यूटर के ऑपरेटिंग सिस्टम विंडोज में आई तकनीकी खराबी को इसका मुख्य कारण माना जा रहा है। शुक्रवार सुबह से ही माइक्रोसॉफ्ट यूजर्स को कार्य करने में खासी दिक्कत महसूस हुई है। इसका असर भारतीय एयरलाइंस पर भी हुआ है। दुनियांभर के माइक्रोसॉफ्ट यूजर्स को ऑप्रेटिंग सिस्टम में ब्लू स्क्रीन ऑफ डेथ की खराबी देखने को मिल रही है। इस कारण सिस्टम अचानक बंद होते हैं या फिर रीस्टार्ट हो जा रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक, माइक्रोसॉफ्ट विंडोज की खराबी के चलते न्यूजीलैंड में कई बड़े बैंकों और दुकानों के साइबर सिस्टम ठप हो गए हैं। एएसबी, कीवीबैंक, व्हाट्पेक, एएनजेड और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियों के सिस्टम में दिक्कत आने की खबर है। यहां ऑकलैंड यूजर्स ने बताया कि वूलवर्थ्स स्टोर में सेल्फ-चेकआउट मशीनों ने कम्प्यूटर सिस्टम प्रॉब्लम में है। इसे रीस्टार्ट की आवश्यकता है। जैसे मैसेज देखे गए हैं। यही नहीं दुनियां के अन्य देशों में भी यही दिक्कत सामने आई है।

इस संबंध में माइक्रोसॉफ्ट ने अपने बयान में कहा है कि समस्या की जांच की जा रही है, इसके चलते भी उपयोगकर्ताओं को विभिन्न ऐप्स और सेवाओं तक जाने में दिक्कत हो रही है। वहीं साइबर सिक्योरिटी कंपनी क्राउडस्ट्राइक ने एक अपडेट जारी किया था, कि समस्या के साथ ही एमएस विंडोज पर चलने वाले सभी कंप्यूटर्स और लैपटॉप अचानक क्रैश कर गए हैं। माइक्रोसॉफ्ट विंडोज की परेशानी के चलते अन्य संबंधित सेवाओं पर भी इसका असर पड़ा है। यहां बतलाते चलें कि यूजर्स को माइक्रोसॉफ्ट 360, माइक्रोसॉफ्ट विंडोज के साथ ही माइक्रोसॉफ्ट टीम, माइक्रो सॉफ्ट एजुरे, माइक्रोसॉफ्ट स्टोर और माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड-पावर्ड सर्विस के इस्तेमाल में भी खासी दिक्कत हो रही है। 74फीसदी यूजर्स तो माइक्रोसॉफ्ट स्टोर में लॉगिन ही नहीं कर पा रहे हैं। वहीं 36फीसदी यूजर्स को ऐप में परेशानी हो रही है।

इस संबंध में अमेरिका के साइबर सिक्योरिटी कॉर्डिनेटर का कहना था कि ऑस्ट्रेलिया में कई कंपनियों और सेवाओं को प्रभावित करने वाली एक बड़ी तकनीकी खराबी के बारे में आज दोपहर को ही पता चला है। जानकारी के अनुसार यह खराबी प्रभावित कंपनियों द्वारा नियोजित तीसरे पक्ष के सॉफ़्टवेयर प्लेटफ़ॉर्म के साथ एक तकनीकी समस्या के रुप में सामने आया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि उन्हें ऐसी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं हुई है कि यह साइबर सुरक्षा से जुड़ा कोई मामला है। बावजूद इसके तमाम तरह के यूजर्स से बातचीत जारी है और समस्या के समाधान पर कार्य किया जा रहा है।

भारत में भी एयरलाइंस कंपनियों के काम पर असर

माइक्रोसॉफ्ट विंडोज में आई खराबी का असर भारत की एयरलाइंस पर भी हुआ है। अकासा एयर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए बताया है, कि हमारी सर्विस प्रोवाइडर के साथ बुनियादी ढांचे में आई खराबी के चलते, हमारी कुछ ऑनलाइन सेवाएं, जिनमें बुकिंग, चेक-इन और बुकिंग प्रबंधन सेवाएं आदि शामिल हैं, अस्थायी रूप से अनुपलब्ध रहेंगी। हम वर्तमान में एयर पोर्ट पर मैन्युअल चेक-इन और बोर्डिंग प्रक्रियाओं का पालन कर रहे हैं। इसलिए तत्काल यात्रा वाले यात्रियों काउंटरों पर चेक-इन करने के लिए एयरपोर्ट पर जल्दी पहुंचने की सलाह दी जाती है। इस असुविधा के लिए एयर लाइन्स ने खेद भी जताया और आश्वस्त किया कि समस्या का हल जल्द से जल्द निकाल लिया जाएगा। वहीं स्पाइस जेट ने भी लगभग यही संदेश अपने उपभोक्ताओं और यूजर्स को दिया है।

## इलेक्टोरल बॉन्ड पर 22 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

याचिकाकर्ता की मांग- कोर्ट की निगरानी में एसआईटी जांच हो, पार्टियों से पैसे वसूले जाएं

नई दिल्ली ( ईएमएस )। इलेक्टोरल बॉन्ड का मामला एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। एनजीओ कॉमन कॉज और सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन ने बॉन्ड के लेनदेन को लेकर सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी जांच की मांग की है। 22 जुलाई को इस पर सुनवाई होगी। सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़, जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच सुनवाई करेगी। दोनों एनजीओ की ओर से एडवोकेट प्रशांत भूषण ने यह याचिका लगाई है। कोर्ट याचिका स्वीकार कर ली है और कहा है कि इससे जुड़े अन्य याचिकाओं को भी साथ में सुना जाएगा।

इलेक्टोरल बॉन्ड का डेटा सामने आने के बाद यह याचिका लगाई गई है। इसमें दो मांगें रखी गई हैं। पहला- इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए कॉरपोरेट्स और राजनीतिक दलों के बीच लेन-देन की जांच एसआईटी से कराई जाए। एसआईटी की निगरानी सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज करें। दूसरा- याचिका में कहा गया है कि आखिर घाटे में चल रहीं कंपनियों ( शैल कंपनियां भी शामिल ) ने पॉलिटिकल पार्टीज को कैसे फंडिंग की। अधिकारियों को निर्देश दिया जाए की पॉलिटिकल पार्टियों से इलेक्टोरल बॉन्ड में मिली राशि वसूल करें। क्योंकि यह अपराध से जरिए कमाई गई राशि है।

याचिकाकर्ताओं का दावा है कि कंपनियों ने फायदे के लिए पॉलिटिकल पार्टियों को बॉन्ड के जरिए फंडिंग की। इसमें सरकारी काम के ठेके, लाइसेंस पाने, जांच एजेंसियों की जांच से बचने और पॉलिसी में बदलाव शामिल है। आरोप है कि घटिया दवाईयां बनाने वाली कई फार्मा कंपनियों ने इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे जो भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 का उल्लंघन है।

## संघ आज लेगा बैठक......योगी, मौर्य, पाठक, चौधरी और धर्मपाल सिंह को आने का आदेश

योगी सरकार और संगठन के सभी आला अधिकारी रहेंगे मौजूद

नई दिल्ली ( ईएमएस )। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद से उत्तर प्रदेश का सियासी पारा इन दिनों चढ़ा हुआ है। इस बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ( आरएसएस ) और बीजेपी की बड़ी बैठक शनिवार और रविवार को लखनऊ में होनी है।

इस हाईलेवल बैठक में संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार हिस्सा ले रहे हैं। बैठक में योगी सरकार और संगठन के सभी आला अधिकारी मौजूद रहने वाले हैं। राजनीतिक गलियारों में यूपी में बड़े बदलाव होने के कयास के बीच पांच प्रमुख चेहरों को लखनऊ में ही रहने को कहा गया है। ये पांच नेता सीएम योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह हैं। मीटिंग में सरकार और संगठन में समन्वय और यूपी के जमीनी हालत को लेकर चर्चा हो सकती है। ये मीटिंग उस समय में हो रही है, जब यूपी में 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। संगठन में नाराजगी के बीच मीटिंग को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मीटिंग की महत्ता को देखकर सीएम योगी से डिप्टी सीएम मौर्य और प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी तक इसकी तैयारी में लगे हुए हैं। इस कारण मौर्य का प्रयागराज का दौरा टल गया है। दरअसल, यूपी में बीजेपी की सीटें कम होने के बाद से ही पार्टी के नेता लगातार बयानबाजी कर रहे हैं। इस लेकर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव बीजेपी पर आए दिन कटाक्ष कर रहे हैं।

## योगी के आदेश का असर, संगम हुआ ........सलीम भोजनालय

चाय लवर पॉइंट हुआ, अहमद टी स्टॉल

मुजफ्फरनगर ( ईएमएस )। उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा से पहले मुजफ्फरनगर में खाने-पीने और फल दुकान वालों को अपने-अपने नाम लिखकर डिस्प्ले करने के लिए कहा गया है। आदेश को लेकर स्थानीय प्रशासन का कहना है कि सामान लेने वाले को यह पता होना चाहिए कि वे किसकी दुकान से खरीददारी कर रहा है। किसी को कोई कंफ्यूजन नहीं होना चाहिए। हालांकि, मामले ने तूल पकड़ लिया है। वहीं सीएम योगी का आदेश आ गया है, जिसमें उन्होंने यह व्यवस्था पूरे प्रदेश में लागू करने का निर्देश दे दिया है। इसके बाद मुजफ्फरनगर में दुकानदार/मालिक अपना-अपना नाम दुकानों के आगे लिखकर टांग रहे हैं।

इस फरमान के अगले ही दिन वहां से गुजरने वाले दिल्ली-देहरादून नेशनल हाइवे-58 पर काफी कुछ बदला-बदला दिखा। हाइवे पर चाय की दुकान लगाने वाले एक मुस्लिम शख्स की दुकान का नाम कुछ दिन पूर्व चाय लवर पॉइंट हुआ करता था लेकिन अब अपनी दुकान का नाम वकील अहमद टी स्टॉल रख दिया है। फहीम ने बताया कि पुलिस के फरमान का कांवड़ यात्रा के दौरान उनके काम पर बड़ा प्रभाव पड़ने वाला है।

वहीं, 25 साल से संगम शुद्ध भोजनालय के नाम से चलने वाले ढाबे का नाम पुलिस के आदेश के बाद सलीम शुद्ध शाकाहारी भोजनालय हो गया है। ढाबे मालिक सलीम का कहना है कि 25 साल से उसके ढाबे का नाम संगम शुद्ध भोजनालय था लेकिन अब प्रशासन द्वारा इसका नाम बदलवा दिया गया है।

उधर, दिल्ली-देहरादून हाइवे पर पड़ने वाले साक्षी होटल के मालिक ने बताया कि, दो पुलिस वाले आए और कहा कि दुकान के आगे नाम लिखना है। साथ ही होटल में काम करने वाले वर्कर्स के भी नाम सार्वजानिक करे। पुलिस के आदेश के बाद दुकान पर काम करने वाले चार मुस्लिम वर्कर्स को फिलहाल हटा दिया है।

## योगी का फरमान........एनडीए सहयोगियों को नहीं आ रहा रास

रालोद और जेडीयू ने किया विरोध

नई दिल्ली ( ईएमएस )। उत्तर प्रदेश में कांवड़ मार्ग पर खाने-पीने की दुकानों पर नेमप्लेट लगाने और मलिकों का नाम लिखाने के आदेश को लेकर सियासत जारी है। योगी का यह आदेश भाजपा के सहयोगियों को भी रास नहीं आ रहा है। नीतीश कुमार की जदयू पहले ही सवाल खड़ी कर चुकी है, अब जयंत चौधरी की रालोद ने भी सवाल उठा दिए हैं। रालोद के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी ने कहा कि गांधी जी, चौधरी चरण सिंह और अन्य महानुभावों ने धर्म और जाति को पीछे रखने की बात कही है। त्यागी ने कहा कि मुझे लगता है, कार्रवाई सही नहीं है। आप सड़क पर ठेलों पर किसी से अपना नाम क्यों लिखवाते हैं? उन्हें काम करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि यह परंपरा बिल्कुल गलत है। यह ग्राहक पर निर्भर है, वे जहां चाहें वहां से खरीदारी कर सकते हैं। यह ताकतवर लोगों का खेल है। ये छोटी-छोटी दुकानें गरीबों द्वारा लगाई जाती हैं। आप उन पर उंगली उठा रहे हैं। मैं मांग करूंगा कि शराब पर प्रतिबंध लगाए।

जेडीयू नेता केसी त्यागी ने कहा कि इससे भी बड़ी ( यूपी में ) कांवड़ यात्रा बिहार में होती है। वहां ऐसा कोई आदेश प्रभावी नहीं है। लगाए गए ये प्रतिबंध सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास का उल्लंघन है, जिसकी बात प्रधानमंत्री करते हैं। उन्होंने कहा कि यह आदेश बिहार, राजस्थान, झारखंड में प्रभावी नहीं है। इसकी समीक्षा हो अच्छा रहेगा। बीजेपी नेता मोहसिन रजा ने कहा कि यूपी में कांवड़ यात्रा बड़े पैमाने पर होती है। सीएम योगी आदित्यनाथ जनता की सुरक्षा के प्रति हमेशा सजग रहे हैं।

## जगन्नाथ मंदिर में रत्न भंडार ही नहीं सीक्रेट सुरंग भी है? सस्पेंस से एएसआई उठाएगी पर्दा

पुरी,( ईएमएस )। जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार सालों से लोगों के लिए रहस्य बना हुआ है। सालों बाद इस रत्न भंडार को खोला गया है उसमें मौजूद रत्नों और आभूषणों की सूची तैयार की जा रही है। वहीं अब एक और खबर आ रही है कि क्या जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार में कोई सुरंग है? रत्न भंडार के इनर चैंबर में सुरंग को लेकर सस्पेंस से बहुत जल्द पर्दा उठ सकता है। 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार का लेजर स्कैन होगा। इसके लिए एएसआई यानी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण तैयार है।

अटकलें लगाई जा रही हैं कि जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार वाले चैंबर में एक गुप्त सुरंग और कक्ष है, जिसमें कीमती आभूषण हैं। रत्न भंडार के अंदरूनी कक्ष में सीक्रेट सुरंग या सीक्रेट रूम होने की संभावना है।

## जीतन सहनी हत्याकांड में पुलिस का बड़ा एक्शन, तीन और आरोपी गिरफ्तार

दरभंगा।। विकासशील इंसान पार्टी ( वीआइपी ) प्रमुख एवं पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या मामले में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। इसमें घनश्यामपुर थाना क्षेत्र के जिरात निवासी मो. सितारे, मो. छोटे लहेरी और मो. आजाद शामिल हैं।

वरीय पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रेड्डी जलारेड्डी ने बताया कि वारदात में तीनों के संलिप्त होने के प्रमाण मिले हैं। इसके बाद तीनों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

उन्होंने बताया कि बुधवार को गिरफ्तार किए गए अफजला निवासी मो. काजिम की तरह मो. सितारे उर्फ छेदी और मो. छोटे ने भी जीतन सहनी से सूद में रुपये लिए थे। मो. सितारे ने 20 हजार रुपये सूद में लिए थे। इसके एवज में अपनी पैशन प्रो बाइक और कागजात जीतन के यहां जमानत के तौर पर रखा था, जबकि मो. छोटे छह हजार रुपये लिया था। इसके बदले वह जमीन के कागजात जमानत के तौर पर दिया था। बाइक के साथ उक्त कागज बरामद किए गए हैं।

## शहीद जवान के माता-पिता और पत्नी में बराबर बांटेगी मुआवजा राशि

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव का ऐलान

भोपाल ( ईएमएस )। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने तय किया है कि प्रदेश के किसी भी जवान के शहीद होने पर दी जाने वाली राशि में 50 प्रतिशत पत्नी और बाकी 50 प्रतिशत माता-पिता को मिलेगी।

मध्य प्रदेश सरकार ने शहीदों के परिजनों के लिए मुआवजे को लेकर अहम फैसला किया है। सीएम मोहन यादव ने घोषणा की कि शहीद के परिवार को दिया जाने वाला 1 करोड़ रुपये का मुआवजा अब पत्नी और माता-पिता के बीच समान रूप से बांटा जाएगा।

इसके बाद अब शहीद की पत्नी को 50 लाख और माता-पिता को भी 50 लाख रुपये दिए जाएगें। यह फैसला कैप्टन अंशुमान सिंह से जुड़े विवाद के बाद आया है, जो 19 जुलाई, 2023 को सियाचिन में सेवा के दौरान शहीद हो गए थे। कैप्टन अंशुमान ने अपने साथी सैनिकों को आग से बचाया था लेकिन दुखद रूप से उनकी जान चली गई।

इस घोषणा से पहले, नेक्स्ट ऑफ किन ( एनओके ) नीति में कहा गया था कि यदि कोई सैनिक अविवाहित था, तब उसके माता-पिता को पूरी राशि मिलती थी। हालाँकि, यदि सैनिक शादीशुदा था, तब पत्नी को पूरा मुआवजा मिलेगा। अंशुमान के माता-पिता को लगा कि यह अनुचित है, क्योंकि वे भी अपने बेटे के बलिदान के लिए मान्यता और समर्थन चाहते थे। उन्हें चिंता थी कि सम्मान और वित्तीय सहायता पूरी तरह से पत्नी स्मृति सिंह को मिलेगा।

## विचाराधीन कैदियों के लिए नजीर बनेगा सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला

नई दिल्ली ( ईएमएस )। सुप्रीम कोर्ट ने लंबे समय से जेल में बंद आरोपियों की जमानत को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अपनी जमानत अर्जी पर शीघ्र सुनवाई हो, ये अभियुक्त का मौलिक अधिकार है। इस अधिकार को जघन्य अपराधों के मामलों में भी छीना या कम नहीं किया जा सकता है। उन विचाराधीन कैदी को जमानत देने से नहीं रोक सकते जो लंबे समय से जेल में बंद है, और ट्रायल का कोई अंत नजर नहीं आ रहा है।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि लंबे समय से जेल में बंद कैदी के मामले में निकट भविष्य में ट्रायल पूरा होने की संभावना नहीं है, इसकारण यह जमानत देने का अच्छा आधार है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस न्यायालय ने बार-बार इस पर जोर दिया है कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीने अधिकार सर्वोपरि और पवित्र है।

## मद्रास हाईकोर्ट का आदेश.....बच्चे से टीसी नहीं मांग सकते

चैन्नई ( ईएमएस )। मद्रास हाई कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि किसी बच्चे का स्थानांतरण प्रमाणपत्र स्कूलों के लिए लंबित फीस एकत्र करने का एक उपकरण नहीं है, बल्कि बच्चे के नाम पर जारी हुआ एक व्यक्तिगत दस्तावेज है। इसमें बकाया फीस के संबंध में कोई प्रविष्टि नहीं की जानी चाहिए। उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार को राज्य भर के सभी स्कूलों को परिपत्र/ निर्देश/ आदेश जारी करने का निर्देश दिया, ताकि प्रवेश के समय बच्चे द्वारा टीसी प्रस्तुत करने पर जोर न दिया जाए, और स्कूल प्रबंधन को दस्तावेज में अनावश्यक प्रविष्टियाँ करने से रोका जाए।

न्यायमूर्ति एस एम सुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति सी कुमारप्पन की खंडपीठ ने कहा कि उल्लंघन की स्थिति में, बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम की धारा 17 और सुरक्षा के लिए लागू प्रासंगिक कानूनों के तहत कार्रवाई शुरू की जानी चाहिए। पीठ ने स्टालिन सरकार को तमिलनाडु शिक्षा नियमों और मैट्रिकुलेशन स्कूलों के लिए विनियमन संहिता पर फिर से विचार करने और उसके अनुसार तीन महीने की अवधि के भीतर आरटीई अधिनियम के प्रावधानों के तहत सभी आवश्यक संशोधन करने का भी निर्देश दिया।

## पूजा खेडकर पर एफआईआर दर्ज

पुणे ( ईएमएस )। 2023 बैच की ट्रेनी आईएएस ऑफिसर पूजा खेडकर का आईएएस सिलेक्शन कैंसिल करने का नोटिस यूपीएससी ने शुक्रवार को जारी कर दिया है। यूपीएससी ने पूजा के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई है। पूजा खेडकर पर ओबीसी और विकलांगता कोटे के दुरुपयोग करने का आरोप है। इसके अलावा पुणे कलेक्टर ऑफिस में नियुक्ति के दौरान अपने आचरण को लेकर भी वह जांच के दायरे में हैं। पुणे के डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर सुहास दिवासे ने ही सबसे पहले पूजा के खिलाफ शिकायत की थी, जिसके बाद उनका ट्रांसफर पुणे से वाशिम में कर दिया गया था।

## दुकानों पर नेमप्लेट वाले फैसले पर विवाद

आदेश के खिलाफ भाजपा के 3 सहयोगी दल

नई दिल्ली ( ईएमएस )। कांवड़ रूट पर दुकानों का नाम और दुकानदार का नाम बताने वाले यूपी सरकार के फैसले पर अब भाजपा के ही साथी विरोध जताने लगे हैं। जेडीयू, एलजेपी और आरएलडी तीनों ने विरोध किया है। जेडीयू के महासचिव केसी त्यागी ने कहा कि यूपी से बड़ी कांवड़ यात्रा बिहार में निकलती है, लेकिन वहां ऐसे कोई आदेश नहीं है। पीएम मोदी कहते हैं

सबका साथ सबका विकास, तो ये सभी को मानना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये जो प्रतिबंध लगाए गए हैं, वह पीएम मोदी मोदी के इस स्लोगन के खिलाफ हैं। इस फैसले पर योगी सरकार को विचार करना चाहिए।

वहीं, आरएलडी महासचिव त्रिलोक त्यागी ने कहा कि राजनीति में धर्म जाति नहीं होनी चाहिए। ये उचित बात नहीं है, दुकानों के बाहर नाम लिखवाना परंपरा गलत है, जनता की मर्जी है कि कहीं से भी खरीदे। उन्होंने कहा कि शराब पीने से धर्म भ्रष्ट नहीं होता क्या? क्या सिर्फ मीट पर ही धर्म भ्रष्ट होता है? आरएलडी महासचिव ने कहा कि यूपी के मंत्री शराब पर क्यों नहीं बोलते? गरीबों की दुकानों पर उंगली उठाते हैं, तो शराब पर एक्शन क्यों नहीं?

मुसलमान तो कांवड यात्रा पर फूल बरसाते हैं। उधर, केंद्रीय मंत्री और भाजपा के सहयोगी चिराग पासवान ने कहा कि वह मुजफ्फरनगर पुलिस द्वारा दुकानों और दुकानदार का नाम बताने वाले फैसले का समर्थन नहीं करते हैं। मुजफ्फरनगर पुलिस के इस फैसले पर पर चिराग पासवान ने कहा कि जब भी जाति या धर्म के नाम पर कोई विभाजन होता है, तो मैं इसका बिल्कुल समर्थन नहीं करता। सीएम योगी के आदेश पर कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने कहा कि कांवड़ यात्रा शिविरों में हम लोग पहले से सेवा करते आ रहे हैं। कांवड़ यात्रियों की पोशाकें, हौजरी मुसलमान कारीगर बनाते हैं, मेरठ में कांवड़ को सजाने का काम मुसलमान करते हैं। आप नफरत की जो बातें करते हैं इससे कोई फायदा नहीं है। कांवड़ियों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। हमें आपस में प्यार-मोहब्बत है, हम आपके एजेंडे से भटकने वाले लोग नहीं है।

## बायजूस के सीईओ ने कहा दिवालिया की कार्रवाई हुई तो कम्पनी बंद हो जाएगी

नई दिल्ली ( ईएमएस )। कर्नाटक हाईकोर्ट में दाखिल की गई फाइलिंग में बायजूस के सीईओ आर रविंद्रन ने आशंका जताई है कि अगर कंपनी पर दिवालिया की कार्रवाई हुई, तो इसके पूरी तरह से शटडाउन होने का खतरा है। कंपनी के पूर्व मैनेजमेंट ने नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल में चुनौती दी है। ट्रिब्यूनल बायजूस की अपील पर 22 जुलाई को सुनवाई कर सकती है।

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने मंगलवार 16 जुलाई को बायजूस के खिलाफ दिवालिया कार्रवाई शुरू करने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की याचिका मंजूर कर ली है। ये मामला भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी के लिए बायजूस और क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के बीच स्पॉन्सरशिप कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ा है।

2019 में बायजूस ने क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के साथ 3 साल की टीम इंडिया की जर्सी स्पॉन्सरशिप डील साइन की थी। इसके तहत एक मैच के लिए बायजूस क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को 4।6 करोड़ देती थी। हालांकि, माली हालत खराब होने के कारण बायजूस क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को स्पॉन्सरशिप की रकम नहीं दे पा रही थी। ऐसे में क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 158 करोड़ रुपये का बकाया रकम वसूलने के लिए बायजूस की मूल कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ पिछले साल याचिका दायर की थी।

## दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को जा रहे एअर इंडिया के विमान की रूस में इमरजेंसी लेंडिंग

नई दिल्ली ( ईएमएस )। दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को जा रहे एअर इंडिया के एक विमान को गुरुवार रात तकनीकी दिक्कत के चलते रूस के क्रास्नोयार्स्क अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारा गया। विमान में 225 यात्रियों के साथ उड़ान चालक दल के 19 सदस्य सवार थे। अब उन्हें वहां से निकालने की कोशिशें की जा रही हैं। हालांकि इस प्रक्रिया में काफी मुश्किलें भी आ रही हैं।

एयर इंडिया ने अपने एक ट्वीट में कहा, क्रास्नोयार्स्क अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में एयर इंडिया का कोई अपना स्टाफ नहीं है, इसलिए हम यात्रियों को सभी जरूरी सहायता देने के लिए थर्ड पार्टी की व्यवस्था कर रहे हैं। एयर इंडिया लगातार सरकारी एजेंसियों के साथ भी संपर्क में है। हम सभी यात्रियों और कर्मचारियों के बारे में चिंतित हैं। हम उन्हें जल्द से जल्द क्रास्नोयार्स्क से सैन फ्रांसिस्को ले जाने के लिए एक फ़ेरी फ्लाइट की व्यवस्था कर रहे हैं।

पिछले एक साल में ये दूसरी बार है जब एयर इंडिया के विमान को रूस में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी है। पिछले साल जून में दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को जाने वाली एयर इंडिया के विमान एआई195 को रूस के मगदान एयरपोर्ट पर आपात लैंडिंग करानी पड़ी थी। इस फ्लाइट में 16 क्रू मेंबर्स के साथ 216 यात्री सवार थे। ये सभी लगभग 40 घंटों तक वहां फंसे रहे थे। जिसके बाद एक फेरी फ्लाइट के जरिए इन्हें सैन फ्रांसिस्को भेजा गया था।

## एक ही परिवार के छह लोगों की मौत

सिरसा ( ईएमएस )। सिरसा से सालासर बालाजी दर्शन के लिए जा रहे डबवाली के एक ही परिवार के छह लोगों की सडक़ हादसे में मौत हो गई। भारत माला हाईवे पर जैतपुर के पास यह हादसा हुआ। जिसमें तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सामने चल रहे ट्राले में घुस गई। मरने वालो में माता-पिता उनके दो बेटे और दो बेटियां शामिल हैं। डबवाली में कॉलोनी के लोगों ने बताया कि परिवार उतरप्रदेश का रहने वाला था और सालों पहले डबवाली आकर बस गया था। बीकानेर के महाजन थाना इलाके की पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, बीकानेर से 110 किलोमीटर पहले भारत माला हाईवे पर जैतपुर के पास यह हादसा हुआ है। हादसा इतना भीषण था कि पुलिस को कार को काटकर शवों को बाहर निकालना पड़ा। हादसे में मौके पर ही पांच लोगों की मौत हो गई थी। जबकि एक बच्ची की हनुमानगढ़ के अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हुई है।

## मीट दुकानों में लिखना होगा, झटका या हलाल

जयपुर नगर निगम ग्रेटर क्षेत्र का आदेश

जयपुर ( ईएमएस )। राजस्थान के जयपुर नगर निगम ग्रेटर क्षेत्र में मांस विक्रेताओं के लिए एक नया नियम लागू हुआ है। इस नियम को लेकर आगे आने वाले समय में बवाल मच सकता है। नए नियम के मुताबिक, जयपुर में अब मीट की दुकानों के बाहर झटका या हलाल लिखना अनिवार्य होगा। इस फैसले को ग्रेटर नगर निगम की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने मंजूरी दे दी है। इसके अलावा अब रिहायशी इलाकों में मांस की दुकानें प्रतिबंधित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मांस की दुकानों के लाइसेंस का नवीनीकरण तभी होगा, जब प्रतिष्ठान के पास व्यावसायिक पट्टा हो।

गौरतलब है कि राजस्थान में जयपुर नगर निगम ने हलाल और झटका मांस की लेबलिंग को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। नया शासनादेश जयपुर नागरिक निकाय की घोषणा के कुछ दिनों बाद आया है कि शहर में व्यावसायिक पट्टा विलेख के बिना चल रही मांस की दुकानें बंद होगी। नगर निगम में लंबित पट्टा आवेदनों को एक माह के अंदर निस्तारित करने का भी निर्णय लिया गया।

जयपुर ग्रेटर नगर निकाय के अनुसार, लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि दुकानों के लाइसेंस एक प्रकार के व्यवसाय के लिए प्राप्त किए गए थे, लेकिन उनका उपयोग पूरी तरह से अलग उद्देश्यों के लिए हो रहा था। इन शिकायतों पर संज्ञान लेकर अब दुकानों के लिए यह जानकारी देना अनिवार्य किया गया है कि वे हलाल मांस बेचते हैं या झटका मांस। इसके अलावा, यह उम्मीद की जाती है कि इन दुकानों के स्थान और वे नियमों का किस हद तक अनुपालन कर रहे हैं, इसका पता लगाने के लिए एक सर्वेक्षण किया जाएगा।

## चिनाब ब्रिज पर 15 अगस्त को पहली ट्रेन चलेगी

यह दुनिया का सबसे ऊंचा आर्च ब्रिज, 8 तीव्रता के भूकंप को झेल सकता है

श्रीनगर ( ईएमएस )। जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में बने दुनिया के सबसे ऊंचे स्टील आर्च ब्रिज पर स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त को पहली ट्रेन चलेगी। संगलदान से रियासी के बीच चलने वाली यह ट्रेन सर्विस उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक प्रोजेक्ट का हिस्सा है।

इस ब्रिज पर 20 जून को ट्रेन का ट्रायल रन हुआ था। इससे पहले 16 जून को ब्रिज पर इलेक्ट्रिक इंजन का ट्रायल हुआ था। यह ब्रिज पेरिस के एफिल टावर से 29 मीटर ऊंचा है। एफिल टॉवर की ऊंचाई 330 मीटर है, जबकि 1.3 किमी लंबे इस ब्रिज को चिनाब नदी पर 359 मीटर की ऊंचाई पर बनाया गया है। यह ब्रिज 40 किलो तक विस्फोटक और रिक्टर स्केल पर 8 तीव्रता तक के भूकंप को झेल सकता है। पाकिस्तानी सीमा से इसका एरियल डिस्टेंस महज 65 किमी है। इस ब्रिज के शुरू होने से कश्मीर घाटी हर मौसम में ट्रेन के जरिए भारत के दूसरे हिस्सों से जुड़ जाएगी।

उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक प्रोजेक्ट 1997 से शुरू हुआ था। इसके तहत 272 किमी की रेल लाइन बिछाई जानी थी। अब तक अलग-अलग फेज में 209 किमी लाइन बिछाई जा चुकी है। इस साल के अंत तक रियासी को कटरा से जोडऩे वाली आखिरी 17 किमी लाइन बिछाई जाएगी, जिसके बाद जम्मू के रियासी से कश्मीर के बारामूला तक पैसेंजर ट्रैवल कर सकेंगे।

## उत्तरी चिली में 7.4 तीव्रता का भूकंप

लंदन ( ईएमएस )। अर्जेंटीना की सीमा के पास उत्तरी चिली में 7.4 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ( यूएसजीएस ) ने इसकी जानकारी दी। इस भूकंप के कारण जान-माल के नुकसान की कोई जानकारी नहीं मिली है। भूकंप चिली के समयानुसार रात नौ बजकर 51 मिनट पर 117 किलोमीटर गहराई में आया। इसका केंद्र चिली के सैन पेड्रो डी अटाकामा से 45 किलोमीटर ( 28 मील ) दक्षिण-पूर्व में था। चिली प्रशांत महासागर में तथाकथित 'रिंग ऑफ फायर' में मौजूद है, यहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं। इस क्षेत्र में टेक्टोनिक प्लेट एक-दूसरे को धक्का देती हैं, जिससे अचानक ऊर्जा निकलती है और भूकंप आते हैं। 'रिंग ऑफ फायर' में दुनिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखी भी हैं। चिली में 2010 में आए 8.8 तीव्रता के भूकंप और फिर आई सुनामी ने 526 लोगों की जान ले ली थी।

## खाटू श्याम मंदिर में कॉरिडोर .....विरोध में उठने लगे सुर

सांसद ने कहा इस लेकर लोगों से चर्चा करे सरकार

जयपुर ( ईएमएस )। राजस्थान की भजनलाल सरकार ने अपने बजट में सीकर जिले में स्थित प्रसिद्ध खाटू श्याम मंदिर में कॉरिडोर बनवाने की घोषणा की। इसके चलते शर्मा सरकार की ओर से वर्ष 2041 को देखकर मास्टर प्लान लागू करने की तैयारी की जा रही है। इस मास्टर प्लान को लेकर अभी से लोगों का विरोध उभर कर आने लगा है। लोगों के मन में मास्टर प्लान को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। इस मामले में सांसद अमराराम ने लोगों की समस्याओं को जायज बातकर राजस्थान सरकार को चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि यदि लोगों की मांगें नहीं मानी गई....आंदोलन होगा।

वित्तमंत्री दीया कुमारी ने बजट में खाटू श्याम मंदिर में बाबा काशी विश्वनाथ की तरह कॉरिडोर बनवाने की घोषणा की। इसके लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया। इसके अलावा खाटू श्याम मंदिर के सौंदर्यकरण को लेकर वर्ष 2041 के मास्टर प्लान प्रारूप के अनुसार विकास कार्य करवाएं जाने पर भी योजना है। सरकार की ओर से सड़कों की चौड़ाई, आमजन को सुविधाएं, चौराहे का निर्माण, पार्क निर्माण और सौंदर्यकरण सहित विकास कार्य करवाने की योजना बनाई गई है।

इस लेकर लोगों का कहना है कि मास्टर प्लान कस्बे के लोगों की सहमति के बिना तैयार किया गया। प्लान तैयार करने से पहले आमजन से इसके बारे में चर्चा करनी चाहिए। लोगों को मास्टर प्लान के तहत पता होना चाहिए कि उनकी कितनी जमीन और मकान इसके अंतर्गत आएंगे। बता दें कि खाटू श्याम कस्बे में मास्टर प्लान के लागू होने पर कई लोगों के मकान और दुकान ध्वस्त होने और जमीनों को अधिकरण किया जाएगा।

इस दौरान सांसद अमराराम ने लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनी। इसके बाद उन्होंने लोगों की मांग को जायज बताकर अनुसंधान अधिकारी और नगर नियोजन अधिकारी से बात कर मास्टर प्लान की विसंगतियों को दूर करने के लिए कहा है।

## जन हितैषी

# नीट परीक्षा की धांधली पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला?

नीट परीक्षा रद्द होगी या नहीं, इस पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। ऐसा लगता था, सुप्रीम कोर्ट जल्द ही नीट मामले में कोई फैसला सुना देगा। लेकिन इस बार सुप्रीम कोर्ट परीक्षाओं में हो रही धांधलियों को लेकर काफी गंभीर है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बार नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा किस तरह से परीक्षा कराई जाती है। पेपर कैसे तैयार किए जाते हैं। पेपर कैसे प्रिंट होते हैं। इन्हें परीक्षा केंद्रों तक किस तरह से भेजा जाता है। प्रश्न पत्र की सुरक्षा और परीक्षा केंद्रों मे क्या इंतजाम हैं। पेपर जब लीक होता है, तो लीक होने के कौन से कारण हैं। पेपर लीक होने के बाद टेस्टिंग एजेंसी द्वारा क्या किया गया है। सुप्रीम कोर्ट इस बात पर भी ध्यान दे रही है। जब नीट परीक्षा में 23 लाख से अधिक छात्र बैठे थे, तब सभी परीक्षार्थियों का परिणाम घोषित क्यों नहीं किया गया। परीक्षा परिणाम घोषित करने में पारदर्शिता क्यों नहीं है। इन सारे विषयों पर सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ गंभीर चिंतन करते हुए सुनवाई कर रही है। देश भर के हाईकोर्ट्स में नीट की धांधली से संबंधित जो याचिकाएं लगीं थीं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने पास बुला ली है। याचिका करताओं के वकीलों को सुप्रीम कोर्ट बडे ध्यान से सुन रही है। सीबीआई द्वारा पेपर लीक मामले में जो कार्रवाई की गई है, और जो की जा रही है। उसके बारे में भी सीबीआई से जानकारी प्राप्त कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में लगातार पेपर लीक की घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं। इस पर अभी तक अंकुश नहीं लगाया जा सका है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ परीक्षा एजेंसी की कार्य प्रणाली और उसकी विश्वसनीयता को लेकर काफी गंभीर हैं। जिन पर परीक्षा कराने की जिम्मेदारी है, वह ठेके पर जिन कंपनियों को परीक्षा कराने की जिम्मेदारी देती हैं, उनकी भूमिका पर भी सुप्रीम कोर्ट विचार कर रही है। परीक्षा दोबारा हो या ना हो। भविष्य में किसी तरह की गड़बड़ी न हो, इस पर भी सुप्रीम कोर्ट का ध्यान है। सुप्रीम कोर्ट जिन 40 याचिकाओं की सुनवाई कर रहा है। उसमें सभी बिंदुओं पर याचिका कर्ताओं के वकीलों के साथ समय-समय पर सवाल जवाब भी कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट का मानना है, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी, कोर्ट को हर तरह से संतुष्ट करे। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यदि संतुष्ट नहीं कर पाती है तो ऐसी स्थिति में सुप्रीम कोर्ट पुनः परीक्षा कराने या नहीं करने के निर्णय देने के स्थान पर परीक्षा की पूरी व्यवस्था को लेकर एक विस्तृत आदेश करने के पक्ष में है। ताकि भविष्य में परीक्षाओं में गड़बड़ी न हो। जिस उद्देश्य से परीक्षा आयोजित की गईं है। उसमें जो परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। उनके साथ ना तो अन्याय हो, ना कोई भेदभाव हो। सभी को योग्यता के अनुसार समान अवसर मिले। इस दिशा में सुप्रीम कोर्ट द्वारा जो सुनवाई अभी की जा रही है, वह बड़ी महत्वपूर्ण हो गईं है। माना जा रहा है, सुप्रीम कोर्ट का जो भी फैसला आएगा, वह अभी तक का परीक्षाओं के संबंध में एक ऐतिहासिक फैसला होगा। परीक्षाओं को लेकर, परीक्षार्थियों और उनके परिवारजनों में भरोसा जागे। योग्यता के आधार पर सभी को समान अवसर मिलें। परीक्षाओं के नाम पर जो भ्रष्टाचार और भाई,-भतीजाबाद हो रहा है। परीक्षाओं के नाम पर कोचिंग सेंटर और माफिया का जो नेक्सस बन गया है। उस पर भी रोक लग सके। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान एनटीए को नीट परीक्षा परिणाम को शहर और सेंटर वाइज ऑनलाइन अपलोड कर सार्वजनिक करने के आदेश दिए हैं। ठीक वैसे ही जैसे कि चुनावी बॉड को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने रिजर्ब बैंक को राजनीतिक पार्टियों को चंदा देने वालों की सूची ऑनलाइन सार्वजनिक करने को कहा था। नीट मामले में भी सुप्रीम कोर्ट बहुत सजग है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और उनकी खंडपीठ जिस तरह से सुनवाई कर रही है, उससे यह आशा जगी है कि सुप्रीम कोर्ट का जो फैसला होगा वह सभी के हित में होगा। इसका दूरगामी परिणाम होगा। निर्णय के बाद परीक्षा एजेंसियों की जिम्मेदारी भी तय होगी।

# कांवड़ यात्रा और नौकरशाही का सरकस

घुटने जबाब न दे गए होते तो मै भी एक बार कांवड़ यात्रा पर जरूर जाता और आरिफ आम वाले से आम लेकर जरूर खाता। कांवड़ यात्रा पर जाना महत्वपूर्ण इसलिए है क्योंकि किसानों और बेरोजगारों पर लाठियां बरसाने वाली यूपी सरकार कांवड़ यात्रियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा करती है। मोहर्रम और मिलाद-उल नवी का जुलूस निकलने वालों को ये सुख हासिल नहीं है। हासिल इसलिए नहीं हैक्योंकि सूबे में सरकार उनकी नहीं है।

मुझे हैरानी हुई जब मैंने मुजफ्फरनगर में पुलिस प्रशासन की और से जारी उस आदेश के बारे में पढ़ा, जिसमें कहा गया है कि कांवड़ यात्रा के रास्ते में दुकाने लगाने वाले अपनी दुकानों के बाहर अपने नाम की पट्टियां भी लगाएं। मुझे अखबारनवीसी करते हुए चार दशक और लिखते पढ़ते पांच दशक हो गए हैं , ऐसा आदेश मैंने पहले देश के किसी हिस्से में नहीं देखा। मुझे लगता है कि यूपी में नौकरशाही पर मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ का असर इतना है कि नौकरशाही भी हिंदुत्व के रंग में रंग कर साम्प्रदायिक हो गयी है।

कहने को मुख्यमंत्री हों या पुलिस अधीक्षक दोनों हिन्दुस्तान के संविधान की शपथ लेकर जनसेवा के लिए अपने आपको प्रस्तुत करते हैं किन्तु दुर्भाग्य ये है कि दोनों में से कोई भी संविधान के तहत चलने के लिए तैयार नहीं है। सबका अपना एजेंडा होता है। यथा राजा,तथा प्रजा अर्थात यदि सरकार का मुखिया साम्प्रदायिक होगा तो नौकरशाही अपने आप साम्प्रदायिक हो जाएगी । कोई भी सौ सिर का हो जाये इसे रोक नहीं सकता। कोई सरकार से सवाल नहीं करता की सरकार कि और से कांवड़ यात्रियों पर सरकारी खर्च से पुष्प वर्षा क्यों कराई जाती है और मोहर्रम के जुलूस या दूसरे धार्मिक जुलूसों के साथ ऐसा सम्मान क्यों प्रकट नहीं किया जाता ?

दरअसल सरकारों से सवाल करना अब अपराध की श्रेणी में आता है । ये सिलसिला केंद्र की तरफ से शुरू हुआ था और अब देशव्यापी हो गया है। सरकार या सरकारें सबका साथ - सबका विकास का नारा जरूर देतीं हैं लेकिन विकास उसी का करतीं हैं जिसने सरकार का साथ दिया है । असहमत समाज के लिए किसी भी साम्प्रदायिक सरकार के पास कोई सुविधा नहीं है। असहमत समाज के लिए सरकार के पास बुलडोजर है, नौकरशाही के ऊल-जलूल आदेश हैं। सरकारें निरंकुश हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजों से सबक लेने के बजाय वे और आक्रामक और बेलगाम हो रहीं हैं

अल्पसंख्यक समाज की घोषित शत्रु डबल इंजिन की सरकारें अल्पसंख्यकों खासकर मुसलमानों के खिलाफ जितना कर सकतीं हैं कर रहीं है। उत्तर प्रदेश सरकार से दो कदम आगे निकलकर असम की भाजपा सरकार ने मुस्लिम विवाह क़ानून को ही रद्द कर दिया। सरकार तो सरकार है ,कुछ भी कर सकती है भले ही उसे ऐसा करने का संवैधानिक अधिकार हो या न हो। संविधान डबल इंजिन की सरकारों के ठेंगे पर रहता है। हालाँकि संविधान से डबल इंजिन सरकारों का थोड़ा सा नाता बचा है। वे प्रतिपक्ष के संविधान बचाओ अभियान के जबाब में संविधान हत्या दिवस जरूर मानाने की तैयारी कर रहे हैं।

मै अक्सर टीवी की खबरें नहीं देखता,लेकिन कल संयोग से देखी तो मुझे पता चला की मुजफ्फरनगर में कांवड़ यात्रा का करीब 240 किलोमीटर का रूट पड़ता है. इसलिए यह महत्वपूर्ण जिला है. यहां पुलिस के निर्देश के बाद दुकानों ने अपने-अपने नाम के साथ किस चीज की दुकान है, उसका नाम लिखकर पोस्टर लगा लिए हैं. किसी ने अपने ठेले पर आरिफ आम वाला तो किसी ने निसार फल वाला की पर्ची लिखकर टांग ली है। मुझे तो लगता है की सरकार और नौकरशाही से ज्यादा संविधान का सम्मान ये गरीब फल बेचने वाले आल्पसंख्यक करते हैं। इनका सम्मान किया जाना चाहिए।

इस फरमान को लेकर विपक्षी नेता यूपी सरकार और यूपी पुलिस पर निशाना साध रहे हैं. इस बीच पूर्व मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी का सोशल.मीडिया पोस्ट सामने आया है, जिसमें उन्होंने अधिकारियों के आदेश की आलोचना की है। नकवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा, कुछ अति-उत्साही अधिकारियों के आदेश हड़बड़ी में गड़बड़ी वाली अस्पृश्यता की बीमारी को बढ़ावा दे सकते हैं. आस्था का सम्मान होना ही चाहिए, पर अस्पृश्यता का संरक्षण नहीं होना चाहिए. जनम जात मत पूछिए, का जात अरु पात. रैदास पूत सब प्रभु के,कोए नहिं जात कुजात.

नकवी के साथ मेरी पूरी सहानुभूति है। वे भाजपा के कायर मुस्लिम नेता हैं। भाजपा ने जब लोकसभा चुनावों के समय एक भी मुस्लिम को अपना प्रत्याशी नहीं बनाया था ,तब नकवी कहाँ गए थे ? उनकी आवाज नक्कारखाने में तूती की आवाज से भी गयी-गुजरी आवाज है। आजकल सरकारें आरएसएस प्रमुख डॉ मोहन भागवत कीबात नहीं सुनती तो नकवी की बात को कौन सुनेगा ? बेहतर हो कि नकवी भाजपा में तिल-तिलकर घुटने के बजाय भाजपा छोड़कर किसी दूसरे दल में शामिल हो जाएँ। लेकिन ऐसा होगा नहीं।नकवी और उन जैसे भाजपा के तमाम मुस्लिम नेता सौ-सौ जूते खाएं ,तमाशा घुसकर देखें वाली स्थितियों में जो फंसे पड़े हैं। भाजपा के मुस्लिम नेताओं में कोई किरोड़ीमल मीणा नहीं है ,जो अपमानित होकर सत्ता में रहने के बजाय अपना इस्तीफा देने का माद्दा रखता हो।

इस लुत्व आदेश पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया में लिखा कि जिसका नाम गुड्डु, मुन्ना, छोटू या फत्ते है, उसके नाम से क्या पता चलेगा। पूर्व सीएम मायावती ने भी कहा कि नया सरकारी आदेश गलत परंपरा है, इसे वापस लिया जाए। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में मुसलमान अछूत बना दिए गए हैं। पूर्व सांसद और प्रसिद्ध गीतकार जावेद अख्तर और तृणमूल कांग्रेस सांसद साकेत गोखले ने इस मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से हस्तक्षेप का आग्रह किया है।

कांवड़ यात्रा के रास्ते में कावड़ यात्रियों के लिए सरकार को मुस्लिमों को खड़े होने की इजाजत ही नहीं देना चाहिये । मुस्लिम दुकानदारों से नेमप्लेट लगाकर कारोबार करने से बेहतर है कि उन्हें कांवड़ यात्रा के दौरान रास्ते से हटा ही दिया जाय। सरकार कांवड़ यात्रियों के लिए खुद उचित मूल्य की सरकारी दुकानें खोले और उनके बाहर नोटिस चस्पा करे कि ये दुकाने केवल हिन्दुओं द्वारा संचालित है और यहां से केवल हिन्दू ही खरीद-फरोख्त कर सकते हैं। सरकारें जब शराब बेच सकतीं हैं तो हिन्दू कांवड़ियों के लिए अलग से दुकाने क्यों नहीं खोल सकतीं ?

हिन्दू-मुसलमान करने का खमियाजा सरकार को आम चुनाव में भुगतना पड़ा था लेकिन सरकार की नींद नहीं खुली। सरकार पहले अयोध्या और हाल ही में बद्रीनाथ हारकर भी सबक लेने को तैयार नहीं है । सरकार तो अपना हिन्दू राष्ट्र मन ही मन बनाये बैठी है।उसका राजधर्म तो कांवड़ियों पर हेलीकाप्टर से फूल बरसाना है ,तो है। आज की सरकारों के बारे में मेरे जैसा अदना सा लेखक क्या लिख सकता है।? ऐसी साम्प्रदायिक सरकारों के लिए गोस्वामी तुलसीदास छह सौ साल पहले ही लिख गए थे -

फूलें फले न बेत जदपि सुधा बरसे जलद।

मूरख हृदय न चेत जो गुरु मिले विरंच सम ?

देश के कांवड़ यात्रियों को अग्रिम शुभकामनाएं। भवन भोलेनाथ उनका मनोरथ पूरा करें ,क्योंकि बाकी के तमाम देवता तो सो गए हैं चार महीने के लिए। उनसे उत्तर प्रदेश की नौकरशाही की करतूतें शायद देखी नहीं गयीं । ( लेखक - राकेश अचल / ईएमएस )

# विवाह अनंत : बड़ा हुआ तो क्या हुआ ?

मीडिया के माध्यम से पूरे देश ने पिछले दिनों एक अनंत विवाह के आयोजन का लुत्फ़ उठाया। उद्योगपति मुकेश अंबानी के नूर-ए-नज़र अनंत अंबानी का अलग अलग आयोजनों के नाम से लंबे समय तक चला यह विवाह समारोह भारतीय इतिहास का अब तक का सबसे ख़र्चीला विवाह बताया जा रहा है। हमारे देश में जहाँ एक मध्यम या ग़रीब वर्ग का व्यक्ति भी अपने घर के विवाह समारोह को अपनी हैसियत के अनुसार भव्य बनाने का प्रयास करता है चाहे उसे इसके लिये क़र्ज़ ही क्यों न लेना पड़े। ऐसे में यदि विश्व के अमीरों की रैंकिंग में ऊँचा स्थान रखने वाला तथा भारत का सबसे अमीर उद्योगपति अपने बेटे की शादी को अति भव्य बनाने के लिये अपनी दौलत पानी की तरह बहा दे तो इसमें आश्चर्य किस बात का ? इससे पहले मुकेश अंबानी ने अपने बड़े बेटे आकाश अंबानी की शादी जोकि श्लोका मेहता के साथ हुई थी,में भी बहुत पैसे ख़र्च किये थे। अमेरिकी पॉप-रॉक बैंड मरून 5 ने इस शादी में अपना कार्यक्रम प्रस्तुत किया था। आकाश अंबानी की शादी के कुछ कार्यक्रम स्विट्ज़रलैंड में भी किए गए थे। परन्तु अनंत अंबानी की शादी के ख़र्च ने केवल भाई आकाश व बहन ईशा अंबानी की शादी के ख़र्च का ही रिकॉर्ड नहीं तोड़ा बल्कि भारत में अब तक हो चुकी सभी चर्चित व ख़र्चीली शादियों को भी पीछे छोड़ दिया।

भारत में अब तक हुई मंहगी शादियों में विशेषतय: मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी की शादी आनंद पीरामल के साथ हुई थी जिसपर अनुमानतः औसत ख़र्च 100 मिलियन अमेरिकन डॉलर हुआ था। इसमें बियॉन्से के प्राइवेट कॉन्सर्ट से लेकर पहली सगाई की पार्टी तक इटली के लेक कोमो में हुई थी। संगीत पार्टी के लिए उदयपुर का महल बुक किया गया था और शादी एंटीलिया में हुई थी। इसी तरह 2016 में माइनिंग सरताज जनार्दन रेड्डी के बेटे राजीव रेड्डी व ब्राह्मणी की शादी जो नोटबंदी के फ़ौरन बाद हुई थी,वह भी चर्चा में रही थी । इसमें भी क़रीब 74 मिलियन अमेरिकी डॉलर ख़र्च हुये थे। इस शादी का कार्ड एलसीडी स्क्रीन के साथ था। शादी में ब्राह्मणी ने 89 करोड़ की ज्वेलरी के साथ 17 करोड़ की साड़ी भी पहनी थी। इसमें लगभग 50 हज़ार अतिथि आमंत्रित थे। इसी तरह स्टील किंग के नाम से विश्वविख्यात लक्ष्मी निवास मित्तल की भतीजी सृष्टि मित्तल की शादी गुलराज बहल से हुई थी जिसमें 70 मिलियन अमेरिकी डॉलर ख़र्च हुआ था। 2013 में हुई ये शादी स्पेन के बार्सिलोना में हुई थी। उसके बाद संजय हिंदुजा और अनु महंती के विवाह पर 150 करोड़ से ज़्यादा ख़र्च किया गया था। इस शादी में 16 अलग देशों के पकवान परोसे गए थे। यहां 16000 अतिथि आमंत्रित थे। इसके बाद लक्ष्मी निवास मित्तल की बेटी वनीशा मित्तल की शादी इनवेस्टमेंट बैंकर अमित भाटिया से हुई। 2004 में हुई इस शादी में 350 करोड़ रूपये ख़र्च हुये थे। वर्सैलिस फ्रांस में हुई इस शादी में शाहरुख़ ख़ान , सैफ़ अली ख़ान , जूही चावला, ऐश्वर्या राय, रानी मुखर्जी आदि सितारों ने शिरकत की थी और सभी परफ़ॉर्मेन्स फ़राह खान ने कोरियोग्राफ़ की थी।

उपरोक्त सभी शादियां समय के साथ साथ आम लोगों के मस्तिष्क पटल से ओझल हो चुकी हैं। परन्तु कुछ शादियां ऐसी भी हुई हैं जिन्हें देश आज भी याद करता है। ऐसी ही एक शादी सहारा प्रमुख सुब्रतो रॉय ने 2004 में अपने दोनों बेटों सुशांतो रॉय और सीमांतो रॉय की एक साथ की थी। इसमें सहारा टाउनशिप लखनऊ को महलों की तरह सजा दिया गया था। 10 फ़रवरी 2004 को सीमांतो रॉय की शादी थी जबकि 14 फ़रवरी को सुशांतो रॉय की । इसमें प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई भी शरीक हुये थे और वे यहां 90 मिनट रुके थे। इस अवसर पर सोनिया गाँधी ,चंद्रशेखर,शरद पवार ,दिग्विजय सिंह,लालू व मुलायम यादव,लाल कृष्ण आडवाणी अमिताभ बच्चन,अमर सिंह सहित दस हज़ार पांच सौ मेहमान लखनऊ पधारे थे। इसके अतिरिक्त उद्योग जगत से गोदरेज ,राजन नंदा ,सुनील मित्तल ,खेतान, किरलोस्कर, स्वराज पाल, अनिल अम्बानी व मीडिया के बड़े लोग मौजूद थे। 550 करोड़ रूपये ख़र्च होने वाली इस शादी का कार्यक्रम एक सप्ताह चला था। परन्तु देश की जनता के दिलों में जगह बनाने वाली इस शादी का सबसे बड़ा आकर्षण यह था कि इस विवाह कार्यक्रम में डेढ़ लाख बेघर लोगों को शादी का व्यंजन खिलाया गया था। इतना ही नहीं बल्कि इसी अवसर पर 101 ग़रीब जोड़ों की शादी भी उसी विवाह मंडप में की गयी थी। और इन प्रत्येक जोड़ों को एक लाख एक रुपया उपहार स्वरूप भेंट किया गया था।

परन्तु मुकेश अंबानी के नूर-ए-नज़र के इस ताज़ा तरीन अनंत विवाह के विवाह अनंत को तो देश की जनता ने कुछ अलग ही नज़रों से देखा। बेशक मंहगे से मंहगे विदेशी कार्यक्रम प्रस्तोता यहाँ आये ,अति मंहगे तोहफ़ों का लेनदेन हुआ, यहाँ भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर देश की राजनीति, उद्योग फ़िल्म व धर्म जगत की तमाम बड़ी हस्तियों ने शिरकत की। परन्तु देश की चिंता मुख्य रूप से इस बात को लेकर थी कि शादी के समय ही जिओ ने अपना रिचार्ज रेट लगभग 16 से 20 प्रतिशत तक बढ़ा दिया। देश को सन्देश यह गया कि शादी पर होने वाला ख़र्च जिओ ने अपना रिचार्ज रेट बढ़ाकर देश की जनता से वसूल किया है। सोशल मीडिया पर इसतरह के विचारों की बाढ़ सी आ गयी। और इसी शादी के दौरान व्यवसायिक रूप से सबसे बड़ा अशुभ तो यह रहा कि जिन दिनों विवाह अनंत के विभिन्न आयोजन हो रहे थे उसी दौरान जिओ के लाखों उपभोक्ता अपने सिम को जिओ से बी एस एन एल में पोर्ट करवा रहे थे। यदि मुझ जैसी कोई सलाहकार इस विवाह अनंत में होती तो कम से कम एक महीने के लिये जिओ कनेक्टिविटी अपने लगभग 48 करोड़ उपभोक्ताओं को नि:शुल्क उपलब्ध करवाकर करोड़ों ग़रीब उपभोक्ताओं की दुआयें भी दिलवाती और जिओ से बी एस एन एल में पोर्ट करवाने का जो सिलसिला शुरू हो चुका है वह भी रुक जाता। दूसरे यह कि रिचार्ज रेट भी शादी के बाद बढ़ाने की सलाह देती। परन्तु फ़िलहाल जिसतरह अनंत विवाह के विवाह अनंत के दौरान रिचार्ज रेट बढ़ाकर जनता से पैसे वसूले गये और हज़ारों करोड़ नाच गाने व समारोह के अन्य आयोजनों में अपनी शान शौकत दिखाने के लिये ख़र्च किये गये उसे देखकर तो जनता संत कबीर के उस दोहे को ही याद कर रही है जिसमें उन्होंने कहा था कि बड़ा हुआ तो क्या हुआ जैसे पेड़ खजूर। पंथी को भी छाया नहीं फल लागे अति दूर। लेखिका - निर्मल रानी /ईएमएस )

### शब्द पहेली - 8073

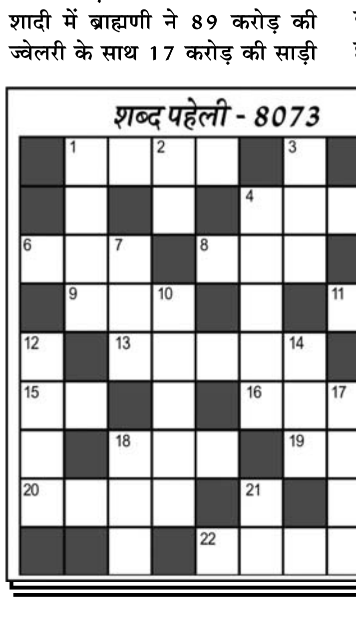

**बाएँ से दाएँ**

1. ईश्वरीय कृपा-4
4. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4
6. दुर्बल का विलोम-3
8. सुनसान,नीरव-3
9. प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
11. घोषवाक्य-2
13. चित्रपट,मायानगरी -3,2
15. सूर्य,भास्कर-2
16. उपनदी,कैनाल-3
18. व्यंग,परिहास-3
19. कौर,ग्रास-3
20. दफन करना-4
22. भूल,असावधानी-4

**ऊपर से नीचे**

1. अगुवा,रास्ता दिखाने वाला-4
2. सरुर,नशा,गरुर-2
3. चिंतन,विचारना-3
4. परजन भावना,गैरपन-5
5. भिड़ना,मुठभेड़-4
7. रेखा,लाईन-3
10. झाग बनना-5
12. सीमा,हद,बॉर्डर-4
14. शाखा,डाली-3
17. रिवाज,परंपरा-4
18. पाबंदी,रोक-3
21. स्वच्छ-2

**शब्द पहेली -8072 का हल**

Jagrutidaur.com, Bangalore

# चर्चा नए कानून की, कोई गम्भीर बदलाव नही हुआ है नए कानून में!

दिल्ली की सभी जिला स्तरीय अदालतों के वकीलों ने अपनी बार एशोसिएशन के माध्यम से नए कानूनों को लागू करने के विरोध में एक दिन काम नही किया,वही सुप्रीम कोर्ट में भी उक्त कानून को चुनौती दी गई है।बिना किसी तैयारी के लागू किये गए नए कानूनो को लेकर पुलिस, जज,वकील और वादकारियों सभी को किसी न किसी रूप में परेशानी हो रही है।वास्तव में

पुराने कानून को औपनिवेशिक का सिंबल बताकर बदल दिया गया है, जबकि औपनिवेशिक शासन का मुख्य प्रतीक पुलिस व्यवस्था है ,जो ब्रिटिश काल से चली आ रही है। इसमें सुधार किए जाने और उसे लागू किए जाने की आवश्यकता किसी ने नही समझी। भारतीय न्याय संहिता में भारतीय दंड संहिता, 1860 के अधिकांश अपराध व उसके लिए दंड पुनः शामिल किये गए हैं, इसमें सामुदायिक अपराध को सजा के रूप में जोड़ा गया है और राजद्रोह अब अपराध नहीं रह गया।देश की एकता को खतरा अपराध के बजाय इस नए कानून में भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कृत्यों के लिए एक नया अपराध जोड़ा गया है। भारतीय न्याय संहिता में आतंकवाद को अपराध के रूप में जोड़ा गया है, इसे ऐसे कृत्य के रूप में परिभाषित किया गया है जिसका उद्देश्य देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को खतरे में डालना, आम जनता को डराना या सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ना है। छोटे-मोटे संगठित अपराध भी अब अपराध हैं, जाति, भाषा या धार्मिक आधार पर पांच या अधिक व्यक्तियों के समूह द्वारा हत्या करना अपराध होगा, जिसके लिए सात साल से लेकर आजीवन कारावास या मृत्युदंड तक की सजा हो सकती है। संसद में इन विधेयकों को पारित करने में भी अनियमिता व्याप्त रही है, क्योंकि विपक्ष के अधिकांश संसद सदस्यों को निलंबित कर दिया गया था और विधेयकों को पारित करने में बहुत कम लोगों ने भाग लिया।इस तरह की कार्रवाई के कारण विधेयक पर कोई बहस नहीं हुई और न ही सदन में कोई चुनौती दी गई।नई भारतीय न्याय संहिता में कुल 358 धाराएं हैं। जिसमें 20 नए अपराधों को परिभाषित किया गया है,जबकि 33 अपराधों में सजा बढ़ाई गई है।वही 83 ऐसे अपराध हैं, जिनमें जुर्माने की रकम बढ़ाई गई है। नए कानून में आतंकवाद को परिभाषित किया गया है। इस बदलाव में आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता, सीआरपीसी की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह भारतीय साक्ष्य संहिता लागू की गई है।

तीन नए आपराधिक कानून- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 25 दिसंबर 2023 को अधिसूचित किए गए थे। ये तीनों कानून 1 जुलाई, 2024 से लागू किये गए हैं।

हथकड़ी लगाने के नियम में बदलाव किये गए है। अपराध प्रक्रिया संहिता की जगह लाए गए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 43 ( 3 ) में गिरफ्तारी या अदालत में पेश करते समय कैदी को हथकड़ी लगाने का प्रावधान किया गया है। इस नियम के मुताबिक अगर कोई कैदी आदतन अपराधी है या पहले हिरासत से भाग चुका है या आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा है, ड्रग्स से जुड़ा अपराधी हो, हत्या, रेप, एसिड अटैक, मानव तस्करी, बच्चों का यौन शोषण में शामिल रहा हो तो ऐसे कैदी को हथकड़ी लगाकर गिरफ्तार किया जा सकता है।

अब तक कानून में हथकड़ी लगाने पर उसका कारण बताना जरूरी था और इसके लिए मजिस्ट्रेट से इजाजत भी लेनी होती थी। सन 1980 में प्रेम शंकर शुक्ला बनाम दिल्ली सरकार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हथकड़ी के इस्तेमाल को अनुच्छेद 21 के तहत असंवैधानिक करार दिया था। कोर्ट ने कहा था कि अगर हथकड़ी लगाने की जरूरत है तो मजिस्ट्रेट से इसकी इजाजत लेनी होगी।

अब भगोड़े अपराधी पर भी मुकदमा चलाया जा सकेगा।जबकि पुराने कानून में किसी अपराधी या आरोपी पर मुकदमे का विचारण तभी शुरू होता था, जब वो अदालत में मौजूद होता था। लेकिन नए कानून के मुताबिक अगर कोई अपराधी फरार है तो भी उसके खिलाफ मुकदमा चल सकता है।आरोप तय होने के 90 दिन के बाद भी अगर आरोपी कोर्ट में पेश नहीं होता है तो विचारण शुरू हो जाएगा। पुराने कानून में मौत की सजा पाए दोषी के सामने आखिरी रास्ता दया याचिका होती थी। सारे कानूनी रास्ते खत्म होने के बाद भी दोषी के पास राष्ट्रपति के पास दया याचिका दायर करने का अधिकार होता था। दया याचिका दायर करने की कोई समय सीमा नहीं थी। लेकिन भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 472( 1 ) के मुताबिक सारे कानूनी विकल्प खत्म होने के बाद अब दोषी व्यक्ति को 30 दिन के भीतर राष्ट्रपति के सामने दया याचिका दायर करनी होगी। राष्ट्रपति का दया पर जो भी फैसला होगा, उसकी जानकारी 48 घंटे के भीतर केंद्र सरकार को राज्य सरकार के गृह विभाग और जेल सुपरिंटेंडेंट को देनी होगी।पुराने कानून में आतंकवाद की कोई परिभाषा नहीं थी। लेकिन भारतीय दंड संहिता की जगह लाए गए भारतीय न्याय संहिता में पहली बार आतंकवाद को परिभाषित किया गया है और इसे दंडनीय अपराध बनाय गया है। अगर कोई देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को खतरे में डालने, आम जनता या उसके एक वर्ग को डराने या सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने के इरादे से भारत या किसी अन्य देश में कोई कृत्य करता है, तो उसे आतंकी कृत्य माना जाएगा।

नए कानून में अब पीड़ित को 90 दिन के भीतर जांच की प्रोग्रेस रिपोर्ट उपलब्ध करानी होगी। पुलिस को 90 दिन के अंदर चार्जशीट दाखिल करनी होगी,हालांकि यह व्यवस्था पहले से ही है।नए कानून में कोर्ट हालात को देखते हुए 90 दिन का समय बढ़ा सकती है। किसी भी परिस्थिति में 180 दिन के भीतर जांच पूरी कर विचारण शुरू करना होगा। कोर्ट को 60 दिन के भीतर आरोप तय करने होंगे। सुनवाई पूरी होने के 30 दिन के भीतर फैसला देना होगा। इसके साथ ही सजा का ऐलान 7 दिन के भीतर करना होगा।

गैंगरेप के मामले में दोषी साबित होने पर 20 साल की सजा या आजीवन जेल की सजा का प्रावधान है। अगर पीड़िता नाबालिग है तो आजीवन कारावास या फिर मृत्युदंड का प्रावधान किया गया है। स्नैचिंग के मामले में गंभीर चोट लगने या स्थाई विकलांगता की स्थिति में कठोर सजा दी जाएगी। बच्चों को अपराध में शामिल करने पर कम से कम 7से 10 साल की सजा होगी। हिट एंड रन मामले में मौत होने पर अपराधी घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस या फिर मजिस्ट्रेट के सामने पेश नहीं होता है तो जुर्माने के अलावा 10 साल तक की जेल की सजा हो सकती है।दिसंबर 2023 में जब से इन कानून की घोषणा की गई है। तब से इस कानून का विरोध भी हो रहा है। वास्तव में इस कानून की कोई जरूरत नहीं थी।कानून में समय-समय पर बदलाव होते रहते हैं।जो कानून नए अधिनियमो में लाए गए है,वे पुराने अधिनियमो में जोड़े जा सकते थे और गैर वाजिब कानून समाप्त किये जा सकते थे।लेकिन अधिनियमो में धाराएं बदलकर पुलिस, जज,वकीलों, वादकारियों तीनो के लिए ही समस्या खड़ी हो गई है।जिससे पार पाना आसान नही होगा। ( लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन/ ईएमएस ) ( लेखक उत्तराखंड राज्य उपभोक्ता आयोग के वरिष्ठ अधिवक्ता व साहित्यकार है )

## खेल - समाचार

# श्रीलंका दौरे पर टीम चयन को लेकर विवादों में आये गंभीर

जडेजा, रुतुराज और अभिषेक को टीम में शामिल नहीं करने पर उठे सवाल

मुम्बई ( ईएमएस )। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने श्रीलंका दौरे के लिए जिस प्रकार टीम में कई अच्छे खिलाड़ियों को जगह नहीं देते हुए नये खिलाड़ियों को शामिल किया है। उसे उनपर सवाल उठाने लगे है। श्रीलंका दौरे की लिए चयनित टीम में ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा, के अलावा रुतुराज गायकवाड़ और अभिषेक शर्मा को भी जगह नहीं मिली है जबकि रियान पराग ओर शिवम दुबे को कमजोर प्रदर्शन के बाद भी शामिल कर लिया गया है।

रोहित शर्मा के टी-20 प्रारुप से संन्यास लेने के बाद सभी को उम्मीद थी कि उपकप्तान हार्दिक पंडया को कप्तानी मिलेगी पर सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाया गया। सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने गंभीर के फैसलों पर सवाल उठाये हैं। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के करीबी खिलाड़ियों का बाहर किया जा रहा है। इसका कारण ये है कि जडेजा, रुतुराज और पंडया के धोनी से काफी अच्छे संबंध रहे हैं।

पहले बात करते हैं रुतुराज की। रुतुराज को धोनी का बेहद करीबी माना जाता है। आईपीएल में धोनी ने गायकवाड़ को चेन्नई सुपरकिंग्स टीम में अपनी कप्तानी में ही आगे बढ़ाया था। अब गायकवाड़ चेन्नई सुपरकिंग्स के नए कप्तान हैं। विश्व कप के ठीक बाद जिम्बाब्वे दौरे पर इस क्रिकेटर ने दो अर्धशतक लगाये थे। इसी तरह जिम्बाब्वे दौरे पर 46 गेंद में में शतक लगाने वाले अभिषेक शर्मा को भी टीम में नहीं रखा गया है। वहीं जडेजा भी धोनी के करीब रहे हैं। वह आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से खेलते थे। जडेजा से टी20 से संन्यास ले लिया है और माना जा रहा है कि वह भविष्य की योजनाओं के लिए शामिल नहीं है। इसलिए उन्हें बाहर किया गया है।

इसके अलावा पंडया भी धोनी के पसंदीदा खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं पर गंभीर के कोच बनते ही उनमी जगह सूर्यकुमार को कप्तान बना दिया गया। इसके लिए तर्क ये दिया गया कि पंडया बार-बार चोटिल होने के कारण लगातार टीम के लिए उपलब्ध नहीं होते। वहीं गंभीर के करीब श्रेयस अय्यर की टीम में वापसी हुई है।

# अडानी समूह खरीद सकता है गुजरात टाइटन्स टीम

मुम्बई ( ईएमएस )। अडानी समूह और टोरेंट समूह इंडियन प्रीमियर लीग ( आईपीएल ) टीम गुजरात टाइटन्स को खरीद सकता है। इसके लिए उसने निजी इक्विटी फर्म सीवीसी कैपिटल पार्टनर्स के साथ बातचीत की है। सीवीसी गुजरात टाइटंस में अपनी अधिकांश हिस्सेदारी बेचने को तैयार है। बीसीसीआई की नई टीमों को हिस्सेदारी बेचने से रोकने वाली लॉक-इन अवधि अगले साल फरवरी 2025 में समाप्त हो जाएगी। उसके बाद ये सौदा हो सकता है।

गुजरात टाइटन्स तीन साल पुरानी फ्रेंचाइजी है जिसकी कीमत 1 अरब डॉलर से 1.5 अरब न डॉलर के बीच हो सकती है। सीवीसी ने साल 2021 में 5,625 करोड़ में ये टीम खरीदी थी। एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2021 में आईपीएल की अहमदाबाद फ्रेंचाइजी के मालिक बनने का अवसर हाथ से निकलने के बाद अडानी और टोरेंट दोनों ही समूह गुजरात टाइटन्स में हिस्सेदारी खरीदने के लिए प्रयास करते रहे हैं।

वहीं एक अधिकारी ने कहा, आईपीएल फ्रेंचाइजी निवेशकों का बहुत ध्यान खींचती रही हैं, क्योंकि लीग ने खुद को ठोस नकदी प्रवाह के साथ एक आकर्षक संपत्ति के रूप में पेश किया है। अडानी समूह ने पहले ही महिला प्रीमियर लीग की अहमदाबाद फ्रैंचाइज़ी और यूएई इंटरनेशनल लीग टी20 टीमों का को खरीदा था।

# दूसरा टेस्ट : ओली और डकेट की शानदार बल्लेबाजी से इंग्लैंड ने पहले ही दिन बनाये 416 रन

लंदन ( ईएमएस )इंग्लैंड की टीम ने मेहमान टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले ही दिन अपनी पहली पारी में 416 रन बना दिये। इंग्लैंड की टीम ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल 86.1 ओवर में ही 400 रन बना दिये। टीम के सलामी बल्लेबाज जैक क्राउली पहले ही ओवर में शून्य पर ही आउट हो गये। इसके बाद दूसरे सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने ओली पोप के साथ मिलकर तेजी से रन बनाये। डकेट ने और 59 गेंद पर 71 रन बना दिए। उन्होंने इस पारी में 14 चौके लगाए।

वहीं ओली ने 167 गेंद पर 121 रनों की शतकीय पारी खेली। पोप ने अपनी पारी में 15 चौके और एक छक्का लगाया। इंग्लैंड की ओर से कप्तान बेन स्टोक्स ने 69 रन बनाये। उन्होंने 104 गेंद पर 69 रन बनाए। वहीं क्रिस वोक्स ने 37 और जैमी स्मिथ व हैरी ब्रूक दोनो ने ही 36-36 रन बनाये। इंग्लैंड की ओर से तीन बल्लेबाजों ने ने 100 से अधिक की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। इसमें बेन डकेट 120.33 , हैरी ब्रूक 105.88 और शोएब बशीर 125.00 हैं।

# 16 साल से कम उम्र में शतक लगाने वाले इंग्लैंड के पहले क्रिकेटर बने रॉकी फ्लिंटॉफ

चेल्टेनहैम ( ईएमएस )। इंग्लैंड की अंडर-19 में शामिल रॉकी फ्लिंटॉफ ने श्रीलंका की अंडर-19 टीम के खिलाफ दूसरे टेस्ट में शतक लगाकर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। रॉकी पूर्व क्रिकेटर एंड्रयू फ्लिंटॉफ के बेटे हैं। रॉकी की इस पारी से इंग्लैंड ने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे दिन भी मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा। रॉकी 16 साल से कम उम्र मे इंग्लैंड की ओर से अंडर-19 में शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बने हैं। उनकी 106 रनों की शानदार पारी से इंग्लैंड टीम अपनी पहली पारी में 324 रनों की बढ़त हासिल करने में सफल रही। अपनी पारी में फ्लिंटॉफ ने 181 गेंदों में नौ चौके और दो छक्के लगाए और जैक कार्नी के साथ छठे विकेट के लिए 78 रन बनाये। वहीं श्रीलंका के पहली पारी में 153 रन ही बनाये थे।

# ओलंपिक में अमन , विनेश सहित सभी पहलवानों पर जीत के लिए रहेगा दबाव

नई दिल्ली ( ईएमएस )। पेरिस ओलंपिक खेलों में इस बार भारत की ओर से पुरुष वर्ग में अमन सहरावत ही प्रवेश हासिल कर पाये हैं। वहीं महिला वर्ग में विनेश फोगाट सहित पांच खिलाड़ियों ने प्रवेश हासिल किया है। ऐसे में इन पहलवानों पर पदक जीतने का दबाव रहेगा। इसका कारण ये है कि भारतीय पहलवानों का प्रदर्शन ओलंपिक खेलों में हमेशा अच्छा रहा है। ऐसे में इस बार भी पहलवानों पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा।

अमन सहरावत ( पुरुष ीस्टाइल 50 किग्रा ) : अमन ने 57 किग्रा भार वर्ग में रवि दहिया की जगह ओलंपिक टिकट हासिल किया है। उनका दमखम और धैर्य बनाए रखना मजबूर पक्ष है। अगर मुकाबला 6 मिनट तक चलता है तो उन्हें हराना आसान नहीं होगा। उनके खेल में रणनीति की कमी है और उनके पास दूसरी योजना भी नहीं रहती है। ऐसे में उनके लिए पेरिस में विरोधी मुश्किलें पैदा कर सकते हैं।

विनेश फोगाट ( महिला 50 किग्रा ) : विनेश फोगाट भारत की सबसे अनुभवी महिला पहलवानों में से एक हैं। मजबूत रक्षण और उतना ही प्रभावशाली आक्रमण उनकी ताकत है पर पिछले एक साल में उन्हें शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने का अवसर मौका मिला है। इसके अलावा वह कम वजन वर्ग में भाग ले रही है। इसके लिए उन्हें अपना वजन कम करना होगा।

अंतिम पंघाल ( महिला 53 किग्रा ) : अंतिम पंघाल पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली पहली पहलवान रही हैं। अंतिम का मजबूत पक्ष उनका लचीलापन है जिससे वह विरोधी की पकड़ से जल्दी बाहर निकल जाती है। उन्होंने हालांकि एशियाई खेलों में भाग नहीं लिया और पीठ की चोट के कारण उन्हें इस साल एशियाई चैम्पियनशिप से बाहर होना पड़ा। ऐसे पिछले कुछ समय में कम प्रतियोगिताओं में भाग लेने से अभ्यास की कमी उनके लिए नुकसानदेह हो सकती है रीतिका हुड्डा ( महिला 76 किग्रा ) : रीतिका अपनी ताकत के बल पर मजबूत खिलाड़ियों को भी हैरान कर देती हैं। इससे अनुभवी पहलवानों के लिए भी उन्हें हराना कठिन रहा है। रीतिका के पास ताकत और तकनीक है पर वह मुकाबले के आखिरी 30 सेकंड में अंक खो देती हैं। अगर वह बढ़त भी बना लेती है, तो भी वह उन अंकों को खो सकती है।

अंशु मलिक ( महिला 57 किग्रा ) : जूनियर स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने के बाद सीनियर स्तर में जगह बनाने वाली अंशु पदक के दावेदारों में शामिल है। मैट पर तेज़ी से मूवमेंट करना और आक्रामक खेल शैली अंशु की सबसे बड़ी ताकत है। हालांकि उनकी फिटनेस कमजोर कड़ी है। वह कंधे की चोट से परेशान रही हैं। उनका दावा है कि यह सिर्फ गर्दन की ऐंठन है, लेकिन उसका परीक्षण नहीं किया गया है।

# शेयर बाजार गिरावट पर बंद, सेंसेक्स 738, निफ्टी 269 अंक गिरा

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी मुनाफावसूली हावी रहने से आयी है। इसके साथ ही बाजार में पिछले दिनों से जारी तेजी रुक गयी। इसके अलावा पहली तिमाही के परिणामों से पहले देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में गिरावट से भी बाजार नीचे आया है।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स आज शुरुआती कारोबार में 81,587.76 के के नये उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद फिसल गया और 738.81 अंक करीब 0.91 फीसदी नीचे आकर 80,604.65 पर बंद हुआ।

दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 269.95 अंक तकरीबन 1.09 फीसदी नीचे आ गया। ये शुरुआती कारोबार के दौरान 24,854.80 के नए रिकॉर्ड शिखर पर पहुंचने के बाद फिसल गया और 24,530.90 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 26 शेयर नुकसान पर बंद हुए। टाटा स्टील के शेयर 5 फीसदी से ज्यादा नीचे आये जबकि जेएसडब्ल्यू स्टील करीब 5 फीसदी टूटे। इसके अलावा, टाटा मोटर्स, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, महिंद्रा एंड महिंद्रा और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर नीचे आये।

दूसरी ओर केवल 4 शेयर ही ऊपर आये। आईटी कंपनी इंफोसिस के बेहतर परिणामों से कंपनी का शेयर लगभग 2 फीसदी बढ़ा है।

वहीं एशियाई बाजार की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग नीचे आये हैं जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट ऊपर आया। यूरोपीय बाजारों में भी गिरावट रही है। अमेरिकी भी नीचे आये हैं।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 5,483.63 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों को खरीदा था जिससे बाजार शीर्ष स्तर पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार शुरूआती कारोबार में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। हालांकि इन्फोसिस के शेयर में तेजी के बावजूद बड़े पैमाने पर मुनाफावसूली के चलते शेयर बाजार लाल निशान में चला गया। एनएसई निफ्टी 0.21 फीसदी बढ़कर 24,853.8 पर खुला जबकि एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 0.3 फीसदी की तेजी के साथ 81,580.54 अंक पर खुला, जो दोनों इंडेक्स के लिए आज तक का शीर्ष स्तर है।

## विदेश भेजी जानी वाली राशि में आई गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की उदारीकृत धन प्रेषण योजना (एलआरएस) में मई 2024 में बीते साल की इस अवधि की तुलना में करीब 16 प्रतिशत की दौरान गिरावट आई। केंद्र सरकार ने विदेश भेजे जाने वाले धन पर स्त्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) बढ़ा दिया था। इससे आधार प्रभाव प्रभावित हुआ था। वित्त वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट में शिक्षा और इलाज के अलावा विदेश भेजे जाने वाले सभी तरह के धन सात लाख रुपए से अधिक होने की स्थिति में टीसीएस पांच प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया था। यह संशोधन 1 जुलाई 2023 से प्रभावी था।बजट के इस प्रस्ताव के कारण मई 2023 में सालाना आधार से 41 प्रतिशत का इजाफा हुआ था। इस क्रम में मई 2023 में 2.88 अरब डॉलर विदेश भेजा गया था। हालांकि इसके बाद वित्त मंत्रालय ने 1 अक्टूबर, 2023 तक लंबित कर दिया था। आरबीआई के नवीनतम बुलेटिन के अनुसार इस योजना में मई 2024 में 2.42 अरब डॉलर विदेश भेजा गया और यह बीते साल की तुलना में 16.18 प्रतिशत कम था। इस माह के दौरान विदेश भेजे जाने वाले धन के सबसे बड़े हिस्से अंतरराष्ट्रीय यात्रा में भेजे जाने वाली राशि मामूली रूप से गिरकर 1.40 अरब डॉलर हो गई जबकि बीते साल की इस अवधि में इस 1.49 अरब डॉलर भेजे गए थे।

## सोने का भाव गिरा, चांदी भी फिसली

### - सोना 73,650, चांदी लगभग 90,950 रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने-चांदी के वायदा कारोबार में शुक्रवार को गिरावट देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव आज गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 73,650 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 90,950 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। सोने के वायदा भाव ने घरेलू वायदा बाजार में बुधवार को 74,471 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छुआ था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 345 रुपये की गिरावट के साथ 73,810 रुपये के भाव पर खुला। जो इस समय 516 रुपये की गिरावट के साथ 73,639 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 331 रुपये की गिरावट के साथ 91,441 रुपये पर खुला। इस समय यह 833 रुपये की गिरावट के साथ 90,939 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2448 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,456.40 डॉलर प्रति औंस था। जो 27.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2,429.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.02 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव भी 30.22 डॉलर था। जो 0.44 डॉलर की गिरावट के साथ 29.78 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

## पूर्वी दोनोत्सक क्षेत्र के उरोझाइन गांव से पीछे हटी यूक्रेन की सेना

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन की सेना पूर्वी दोनोत्सक क्षेत्र के उरोझाइन गांव से पीछे हट गई है। वहीं दूसरी ओर रूस की सेना लगातार हमले कर यूक्रेन की सुरक्षा दीवार को ध्वस्त कर रही है।

थल सेना के प्रवक्ता नजर वोलोशिन ने बताया कि गांव मलबे में तब्दील हो गया है, जिससे ''वहां मोर्चे पर डटे रहना असंभव है।'' हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि सेना कब पीछे हटी। रूस ने फरवरी 2022 में युद्ध के शुरुआती दिनों में उरोझाइन पर कब्जा किया था। यूक्रेनी के सैनिकों ने लगभग एक साल पहले इसपर फिर से कब्जा किया था। रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया था कि उसकी सेना ने कई दिन पहले इस गांव को फिर से अपने कब्जे में ले लिया था।

## इंफोसिस 20,000 फ्रेशर्स ग्रेजुएट की भर्ती करेगी

मुंबई (ईएमएस)। देश और दुनिया की प्रमुख आईटी कंपनी इन्फोसिस ने कहा है कि वह वित्तीय वर्ष 2025 में 20,000 तक फ्रेश ग्रेजुएट की भर्ती करेगी। इस घोषणा के बाद हाल ही में और आने वाले कॉलेज ग्रेजुएट्स को आईटी जॉब ऑफर में कमी के बाद उम्मीद जगी है। इससे पहले कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024 में 11,900 फ्रेशर्स को नियुक्त किया था, जो वित्त वर्ष 23 में नियुक्त 50,000 से अधिक फ्रेशर्स से 76 प्रतिशत कम है। इंफोसिस के एक व?रिष्ठ अधिकारी ने बीते गुरुवार को कंपनी के नतीजे जारी करने के मौके पर कहा कि पिछली कई तिमाहियों में हम चुस्त भर्ती आधार पर आगे बढ़े हैं। हम कैंपस के अंदर और बाहर से फ्रेशर्स को नियुक्त करते हैं। इस तिमाही में 2000 लोगों की नेट गिरावट आई। यह पिछली तिमाहियों की तुलना में कम थी। हमारा उपयोग पहले से ही 85 प्रतिशत पर है, इसलिए अब हमारे पास बहुत कम गुंजाइश बची है। जैसे ही हम डेवलपमेंट देखेंगे, हम भर्ती पर विचार करेंगे। उन्होंने कहा कि हम इस साल 15,000-20,000 फ्रेशर्स को नियुक्त करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि हम विकास को कैसे देखते हैं। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) वित्त वर्ष 2025 में लगभग 40,000 फ्रेशर्स को नियुक्त करेगी। इनमें से इसने पहली तिमाही में करीब 11,000 ट्रेनी को नियुक्त किया है।

## बजट में एमएसएमई के लिए मुद्रा योजना में कर्ज सीमा दोगुनी करने की मांग

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। देश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यामों (एमएसएमई) का ?विस्तार करने के लिए आने वाले बजट में मुद्रा योजना के तहत कर्ज सीमा बढ़ाकर 20 लाख रुपए करने के साथ कर प्रोत्साहन देने की भी आवश्यकता है। साथ ही लागत में कटौती और उत्पादों के बेहतर विपणन के लिए उत्पादक सहकारी समितियों के माध्यम से कच्चे माल तक आसान पहुंच की सुविधा देने की जरूरत महसूस की जा रही है। यह बात विशेषज्ञों ने बजट से पहले अपने सुझाव में कही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में 23 जुलाई को 2024-25 का बजट पेश करेंगी। बजट को लेकर उम्मीदों पर, अरका फिनकैप के एक मुख्य कारोबार अधिकारी ने कहा कि सरकार संभवतः एमएसएमई के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करने, उनके विकास को बढ़ावा देने के अपने एजेंडा को जारी रखेगी। उन्होंने कहा ?कि इसे हासिल करने के लिए, उन्हें प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत कर्ज सीमा को 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 20 लाख रुपए करने और एमएसएमई के लिए असुरक्षित माने जाने वाले ऋण के लिए क्रेडिट गारंटी कवर को दो करोड़ रुपए से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपए करने पर विचार करना चाहिए। अ?धिकारी ने कहा ?कि ये उपाय एमएसएमई को आवश्यक वित्तीय संसाधनों तक अधिक पहुंच प्रदान करेंगे, जिससे वे आगे बढ़ सकेंगे और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगे। भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट (बीवाईएसटी) की संस्थापक एवं प्रबंध ट्रस्टी लक्ष्मी वेंकटरमन वेंकटेशन ने कहा ?कि एमएसएमई हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। ऐसे में सरकार को इस क्षेत्र के लिए सहायक नीतियां पेश करना महत्वपूर्ण है। इसमें विशेष रूप से महिलाओं के लिए पीएमईजीपी (प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम), सीजीटीएमएसई (क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज) और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के माध्यम से वित्त तक आसान पहुंच शामिल हो। इसके अलावा, उन विनिर्माण इकाइयों के लिए कर प्रोत्साहन की जरूरत है जिनका सालाना कारोबार एक करोड़ रुपए से कम है। साथ ही लागत में कटौती और अपने उत्पादों के बेहतर विपणन के लिए उत्पादक सहकारी समितियों के माध्यम से कच्चे माल तक आसान पहुंच की सुविधा भी दिए जाने की आवश्यकता है।

## कोरबा जिले में लिथियम के बाद अब यूरेनियम की खोज

खनिज साधन विभाग ने धनगांव-गढ़तारा के एक गांव में पांच वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को किया आरक्षित

कोरबा (ईएमएस)। बिजली और कोयला के लिए पहुंचाने जाने वाले कोरबा में अब यूरेनियम की खोज की जाएगी, कोरबा में पहले ही लिथियम का भंडार मिल चुका है। इसके बाद अब यहां यूरेनियम की संभावना तलाशी जा रही है। छत्तीसगढ़ शासन के खनिज साधन विभाग ने एक आदेश जारी किया है। जिसमें कोरबा के दार्शनिक स्थल कोसगाई के समीप गांव, धनगांव-गढतारा में यूरेनियम के लिए सर्वेक्षण की बात कही गई है। आने वाले पांच वर्षों के लिए परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय इस गांव में अनुसंधान करेगा। गांव के एक सीमित क्षेत्र को आरक्षित कर दिया गया है। जहां यूरेनियम के भंडार की तलाश शुरू की जाएगी। धनगांव-गढतारा को आने वाले पांच वर्ष की अवधि के लिए परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय को सौंपा गया है। जहां, वह अनुसंधान करेंगे।

छत्तीसगढ़ के खनिज साधन विभाग के जारी आदेश के अनुसार इस गांव के पांच वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को आरक्षित किया गया है। जहां परमाणु खनिज रियायत नियम 2016 के तहत यूरेनियम, लिथियम और एसोसिएटेड मिनरल का पूर्वेक्षण कार्य किया जाएगा।

जल्द शुरू हो सकता है सर्वेक्षण

खनिज साधन विभाग के विशेष सचिव सुनील कुमार जैन द्वारा जारी आदेश के तहत गांव, धनगांव-गढ़तारा के पांच वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को आरक्षित किया गया है। जिस पर भारत सरकार के परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय को एक्सप्लोरेशन एजेंसी के रूप में अधिसूचित किया गया है। अब यही एजेंसी इस गांव को एक्सप्लोर करेगी और यहां यूरेनियम जैसे बेहद दुर्लभ खनिज की तलाश करेगी।

यूरेनियम का उपयोग सेना द्वारा परमाणु पनडुब्बियों और परमाणु हथियारों को शक्ति प्रदान करने के लिए किया जाता है। यूरेनियम का उपयोग परमाणु बिजली उत्पादन के लिए भी किया जा रहा है। दुनिया भर के ज्यादातर विकासशील देश जिसमें भारत भी शामिल है। वह अभी कोयला आधारित बिजली पर निर्भर हैं, लेकिन विकसित देश अब परमाणु पर आधारित बिजली के उत्पादन की तरफ बढ़ रहे हैं। इसके लिए यूरेनियम का उपयोग किया जाता है। यूरेनियम पृथ्वी पर पाए जाने वाला बेहद दुर्लभ खनिज पदार्थ है। एक किलो यूरेनियम की कीमत लगभग तीन करोड़ रुपये है।

लिथियम ब्लॉक को पहले ही किया जा चुका है नीलाम

हाल ही में कोरबा जिले के कटघोरा में मौजूद लिथियम ब्लाक को नीलाम किया गया था। गांव घुचापुर और इसके आसपास के 250 हेक्टेयर क्षेत्र को लिथियम ब्लाक के तौर पर चिन्हित किया गया था। लिथियम की पुष्टि के बाद केंद्रीय खान मंत्रालय ने चौथे दौर के नीलामी में इसे नीलाम किया। जिसे मैकी साउथ माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड ने सर्वोच्च बोली लगाकर खरीदा था। यहां भी जल्द लिथियम ब्लॉक की शुरुआत होगी और उत्पादन शुरू किया जाएगा।

## जब पत्नी को नहीं पहचान सके बाइडेन....दूसरी महिला को किस करने पहुंचे

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की सेहत पर बीते कुछ समय में लगातार सवाल उठे हैं। इन सवालों ने फिर से जोर पकड़ा है। दरअसल बाइडन का एक नया वीडियो आया है। वीडियो में बाइडन स्टेज पर एक महिला की ओर जाते हुए दिख रहे हैं। तभी उनकी पत्नी जिल आकर उन्हें रोकती हैं और माइक की तरफ जाने को कहती हैं। वीडियो शेयर कर दावा किया गया है कि महिला को बाइडन पहचान नहीं सके थे, वे इस महिला को अपनी पत्नी जिल समझ बैठे थे और स्टेज पर ही किस करने वाले थे। बाइडन का ये वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल है और हजारों यूजर्स ने कमेंट किए हैं। यूजर्स ने सवाल किया है कि अगर ये अपनी पत्नी को नहीं पहचान पा रहे हैं, तब कैसे देश को चलाएंगे। कई यूजर्स ने इस साल होने वाले चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से बाइडन की उम्मीदवारी पर भी सवाल किए हैं। यूजर्स ने कहा है कि उनकी सेहत को देखकर वे राष्ट्रपति पद के लिए सही उम्मीदवार नहीं हैं। बाइडन का ये वीडियो कितना पुराना है, ये साफ नहीं हो सका है। फिलहाल बाइडन को कोरोना संक्रमित होने के बाद अपने घर पर ही आइसोलेशन में रखा गया है।

## क्या पाकिस्तान के इशारे पर धू-धू कर जल रहा बांग्लादेश

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन हो रहा है। बांग्लादेश में हो रहे प्रदर्शन में पाकिस्तान का एंगल भी है, इसकारण भारत की पूरे मामले पर नजर है। वहीं हालात को काबू करने शेख हसीना सरकार ने सेना बुला ली है। बांग्लादेश के लिए हाल के वर्षों में यह सबसे बुरा संकट है। इन हिंसक झड़पों में कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई और 2500 से ज्यादा घायल हो गए।

जानकारी के मुताबिक भारत बांग्लादेश सरकार के साथ संपर्क में है। ताकि उस स्थिति का आकलन हो सके जो बड़े संकट में बदल रहा है। बिगड़ती कानून व्यवस्था के बीच भारत ने पूरे बांग्लादेश में अपने नागरिकों के लिए एडवायजरी जारी की है। शेख हसीमा भारत की करीबी हैं और हाल ही में उन्होंने नई दिल्ली का दौरा किया था। सूत्रों के मुताबिक हसीना को अपनी सरकार की सुरक्षा के लिए राजनीतिक समर्थन के लिए भारत का रुख करना होगा।

शेख सरकार प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी के माध्यम से विरोध प्रदर्शनों को भड़काने के मामले में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की कथित भूमिका की जांच कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रमुख बीएनपी नेता विदेश से मदद लेकर प्रदर्शनकारियों को गाइड कर रहे हैं। बांग्लादेश में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश में प्रतिबंधित है। लेकिन संगठन को अपनी छात्र शाखा से ताकत मिलती है, जो दशकों से सड़क पर हिंसा और विरोध प्रदर्शन में लिप्त है। वर्तमान में आरक्षण प्रणालियों के तहत 56 फीसदी सरकारी नौकरियां आरक्षित हैं,

## तेल टैंकर घटना में बचे सभी 8 भारतीय सुरक्षित, एक की मौत

मस्कट (ईएमएस)। ओमान के पास समुद्र में एक तेल टैंकर के पलटने से डूबे तेल टैंकर प्रेस्टीज फाल्कन के बाकी छह लापता चालक दल के सदस्यों का पता लगाने बचाव कार्य जारी हैं, हालांकि बचाए गए आठ भारतीय और एक श्रीलंकाई चालक दल के सदस्य हालत ठीक हैं, लेकिन एक भारतीय सदस्य मृत मिला है।

ओमान समुद्री सुरक्षा केंद्र ने कहा कि ओमान तट पर डूबे प्रेस्टीज फाल्कन के 10 चालक दल के सदस्यों को समुद्र से बचाया गया, जिसमें से चालक दल के एक भारतीय सदस्य मृत पाया गया। बचाए गए नौ लोगों का स्वास्थ्य अच्छा है और आवश्यक चिकित्सा देखभाल की जा रही हैं, जबकि लापता लोगों को निकालने के लिए खोज और बचाव अभियान जारी है। बयान में कहा गया कि संकटग्रस्त तेल टैंकर प्रेस्टीज फाल्कन के जीवित बचे चालक दल के सदस्यों में आठ भारतीय और एक श्रीलंकाई नागरिक शामिल है। उनका स्वास्थ्य ठीक है, वे चिकित्सा देखभाल प्राप्त कर रहे हैं। चालक दल के बाकी लापता सदस्यों का पता लगाने के लिए खोज और बचाव प्रयास अभी भी जारी हैं। इस बीच, विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने ओमान में भारतीय राजदूत अमित नारंग से जहाज के बारे में ताजा जानकारी मांगी। उन्होंने कहा कि चालक दल के मृत भारतीय सदस्य का शव निकाल लिया गया है और बचाए गए आठ भारतीयों की देखभाल की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार स्थिति की निगरानी कर रही है और हर संभव सहायता सुनिश्चित कर रही है। ओमान के समुद्री सुरक्षा केंद्र ने कहा कि कोमोरोस के झंडे वाले प्रेस्टीज फाल्कन के चालक दल में 13 भारतीय और तीन श्रीलंकाई शामिल थे, जब यह सोमवार देर रात दुकम के पास समुद्र में पलटने के बाद डूब गया था।

## हेयरहिल्स में दंगाइयों ने गाड़ियों में लगाई आग, बच्चे भी पुलिस की कार पर बरसा रहे पत्थर

लंदन(ईएमएस)। हेयरहिल्स क्षेत्र में सैकड़ों दंगाई मास्क पहन कर हिंसा कर रहे हैं, जिनसे निपटने के लिए पुलिस को मशक्कत करनी पड़ रही है। दंगों का कारण चाइल्ड केयर एजेंसी की ओर से स्थानीय बच्चों को ले जाना बताया जा रहा है, जिसका कुछ लोगों ने विरोध किया। देखते ही देखते हेयरहिल्स में बड़ी भीड़ जमा हो गई। रोड के बीच में एक डबल डेकर बस को भी आग लगा दिया गया। बाद में आई तस्वीरों से पता चला कि उसका सिर्फ मलबा बचा है। पुलिस और स्थानीय पार्षदों ने लोगों से घर लौटने का आग्रह किया है। दंगे रोकने वाली पुलिस ने सड़कों पर पानी भर दिया है और सड़कें बंद कर दी। डेलीमेल ने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि आज सुबह हेयरहिल्स एक युद्धक्षेत्र जैसा लग रहा है। हिंसक दंगाइयों की भीड़ ने राच भर पूरे क्षेत्र में कई बार आग लगाई। एक प्रवक्ता ने बताया कि क्षेत्र में बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारियों को तैनात किया गया है।

पार्षद सलमा आरिफ ने एक वीडियो पोस्ट कर लोगों को घरों पर रहने की सलाह दी। शहर के ऊपर निगरानी के लिए हेलीकॉप्टर को उड़ते देखा जा सकता है। यूके में बच्चों के कल्याण के लिए चाइल्ड केयर होते हैं। अगर एजेंसी को लगता है कि बच्चे की सुरक्षा खतरे में है या उसकी ठीक से देखभाल नहीं हो पा रही है तो वह उन्हें अपने संरक्षण के लिए ले जा सकती है। यूके सरकार की वेबसाइट के मुताबिक देखभाल का आदेश न्यायालय की ओर से एक परिषद को दिया जाता है। बाल अधिनियम 1989 के तहत परिषद चाइल्ड केयर के लिए आवेदन कर सकती है। बच्चे के 18वें जन्मदिन तक यह आदेश मान्य रहता है। कई सड़कें बंद कर दी गई हैं और लोगों को हिंसा वाले इलाकों से दूर रहने की सलाह दी है। रिपोर्ट के मुताबिक एक रेस्तरां मालिक ने कहा कि एक स्थानीय बच्चे को चाइल्ड केयर ले जाया जा रहा था, जिसका विरोध किया गया। पुलिस ने कहा था कि शुरू में उन्हें लक्सर रोड पर एक उपद्रव के बारे में पता चला, जिसमें एजेंसी के कुछ कर्मचारी और बच्चे शामिल थे। जब ज्यादा से ज्यादा लोग जमा होने लगे तो एजेंसी के कर्मचारियों और बच्चों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने के निर्णय लिया

## तुर्की ने भारत को हथियार बेचने पर लगाया बैन

अंकारा(ईएमएस)। तुर्की सरकार ने दुनिया के सबसे बड़े हथियार आयातकों में से एक भारत को सैन्य उपकरण बेचने पर सीक्रेट तरीके से प्रतिबंध लगा दिया है। एर्दोगन की सरकार ने बैन का सीधा फैसला नहीं लिया है। लेकिन किसी भी हथियार बिक्री को मंजूरी नहीं दी जा रही है। यह फैसला तब लिया गया है जब कुछ महीनों पहले भारत ने जहाज निर्माण परियोजना में शामिल तुर्की की फर्म के साथ कॉन्ट्रैक्ट रद्द कर दिया था। तुर्की सरकार ने बैन के बारे में कोई बड़ी घोषणा नहीं की है। लेकिन इसका खुलासा तुर्की संसद में एक बंद दरवाजे के सत्र में हुआ।

भारत दुनिया के शीर्ष पांच हथियार आयातकों में से एक है। यह हथियार कंपनियों के लिए एक बड़ा बाजार है, जो लगभग 100 अरब डॉलर का आयात करता है। उन्होंने कहा, हालांकि हमारी राजनीतिक परिस्थितियों और पाकिस्तान के साथ हमारी दोस्ती के कारण, हमारा विदेश मंत्रालय हमें भारत में किसी भी निर्यात पर सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं देता है और परिणामस्वरूप हम अपनी कंपनियों को कोई परमिट नहीं देते हैं।

विदेश में तुर्की रक्षा सामग्री की बिक्री के लिए तुर्की सेना से मंजूरी की जरूरत होती है। तुर्की ने कई देशों को ब्लैकलिस्ट कर रखा है, जिन्हें वह हथियार नहीं बेचता।

विदेश मामलों की समिति में 10 जुलाई 2024 के बहस के विवरण के मुताबिक तुर्की की शीर्ष हथियार खरीद एजेंसी, प्रेसीडेंसी ऑफ डिफेंस इंडस्ट्री के उपाध्यक्ष मुस्तफा मूरत सेकर ने अनजाने में इस सीक्रेट नीती का खुलासा कर दिया। हालांकि तुर्की की ओर से उठाए गए इस कदम से कोई हैरानी नहीं होनी चाहिए। क्योंकि जब भी जियोपॉलिटिक्स की बात आती है तो दोनों एक दूसरे के विपरीत दिखते हैं। पाकिस्तान के साथ करीबी के बीच देखा जाता है कि तुर्की लगातार भारत विरोधी बयान देता है।

यही कारण है कि भारत भी तुर्की के खिलाफ खड़ा हो रहा है। वह भी लगातार तुर्की के दुश्मन ग्रीस से जुड़े विवाद को उठाता रहता है।अप्रैल में भारत ने जहाज निर्माण परियोजना में शामिल तुर्की की एक फर्म के साथ अनुबंध रद्द कर दिया था। साथ ही अप्रैल में ही भारत ने ग्रीस के सेना प्रमुख का स्वागत किया था। सेकर ने अपने खुलासे को संवेदनशील बताते हुए सांसदों को बताया कि जब ग्राहक भारत से जुड़ा होता है तब सरकार की तरफ से एक भी सैन्य वस्तु की बिक्री की मंजूरी नहीं दी जाती।

## पीओके के चाकोठी में हुई तीन आतंकी संगठनों के कमांडर्स की बैठक

49 आतंकी जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ की रच रहे साजिश

जम्मू (ईएमएस)। घाटी में घुसकर आतंक फैलाने की फिराक में पाकिस्तान के 49 आतंकी सीमा के उस पार पहुंच चुके हैं। यह सभी आतंकी पाकिस्तान के अलग-अलग जिलों और हिस्सों से आकर पीओके में इकट्ठा हुए हैं। इन सभी 49 आतंकियों को घाटी में भेज कर दहशत फैलाने के लिए पीओके के चाकोठी इलाके में लश्कर ए तैयबा समेत हिजबुल मुजाहिदीन और जैश ए मोहम्मद के आतंकी कमांडरों की एक महत्वपूर्ण बैठक भी हो चुकी है।

केंद्रीय खुफिया एजेंसियों को मिले इनपुट के आधार पर लश्कर ए तैयबा के कमांडर मूसा तौसीफ और आतंकी हुजाफिया ने चाकोठी इलाके में बनाए गए आतंकी ट्रेनिंग कैंप और फैसेलिटीज सेंटर में जाकर आतंकियों को आगे का पूरा प्लान भी समझाया है। हालांकि यह बात अलग है कि आतंकियों के अगले सभी प्लान की जानकारियां भारतीय सुरक्षा एजेंसी को मिल चुकी है। आतंकियों के खतरनाक मंसूबों को देखते हुए उनकी प्लानिंग को नेस्तानाबूत करने के लिए भारतीय सुरक्षा एजेंसियां उन सभी जगह पर मुस्तैद हो चुकी हैं जहां से आतंकी घाटी में आने का रास्ता ढूंढ रहे हैं।

हो सकती है बड़ी आतंकी घुसपैठ

खुफिया इनपुट से मिली जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान के अलग-अलग हिस्सों से घाटी के भीतर 49 आतंकियों को अगले दो हफ्ते के भीतर घुसाने की साजिश रची जा रही है। जिन आतंकियों को घाटी के भीतर भेज कर दहशत फैलाने की योजना है उसमें लश्कर ए तैयबा, हिजबुल मुजाहिदीन और जैश ए मोहम्मद के आतंकी शामिल हैं। भारतीय खुफिया एजेंसियों को मिली जानकारी के मुताबिक गुरुवार को पीओके में स्थित लश्कर तैयबा के आतंकी प्रशिक्षण केंद्र चाकोठी में एक बैठक हुई है। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में लश्कर ए तैयबा के कमांडर तौसीफ अल रहमान उर्फ मूसा तौसीफ समेत हुजैफिया उर्फ हंजला ने इस आतंकी प्रशिक्षण सेंटर में मौजूद आतंकियों को घाटी के भीतर दस्तक देने का पूरा रूट प्लान समझाया। जिसमें आतंकियों को बताया गया की घाटी में जाने के लिए फैलान और सुगना इलाके से होते हुए आगे जाना है। जो प्लान आतंकी संगठनों के कमांडर्स ने अपने आतंकियों को दिया इसकी सूचना भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को मिलने के बाद पूरा एरिया सुरक्षा कर्मियों के कब्जे में आ गया है। ताकि इस रूट से किसी तरीके की कोई आतंकी गतिविधि ना हो सके।

टेंगरी नाला इलाके में कैंपिंग कर रहे जैश के आतंकी

सुरक्षा एजेंसियों को मिली खुफिया जानकारी के मुताबिक गुरुवार को जैश ए मोहम्मद ने अपने तीन आतंकियों को पीओके में भेजा है। जानकारी के मुताबिक यह तीनों आतंकी इस वक्त टेंगरी नाला फॉरेस्ट इलाके में ही कैंपिंग कर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसी को मिले खुफिया इनपुट के आधार पर पता चला है कि यह तीनों आतंकी अगले कुछ दिनों के भीतर खटवारी गली और माचिल के रास्ते घुसपैठ करने की कोशिश करने वाले हैं। इसके अलावा हिज्बुल मुजाहिदीन के चार आतंकी केरन वाली बन इलाके में पहुंच चुके हैं। खुफिया एजेंसी को मिली जानकारी के मुताबिक इन चारों आतंकियों को आतंकियों के लिए काम करने वाला स्थानीय गाइड उस्मान भी साथ में है। जानकारी के मुताबिक यह सभी आतंकी अगले कुछ दिनों के भीतर अलग-अलग रूट के माध्यम से घाटी के भीतर प्रवेश करने की साजिश रच रहे हैं। सुरक्षा एजेंसी को मिली जानकारी के तहत पता चला है कि यह चारों आतंकी दो रास्ते तलाश रहे हैं जिससे घाटी में प्रवेश किया जा सके। इसमें पहले रास्ता तालपत्र और लाजरी फॉरेस्ट होते हुए चंदनवाड़ी इलाके में दाखिल होने का है। जबकि आतंकियों को एक अल्टरनेट रूट प्लान भी समझाया गया है। जिसमें उनको समवाली और दुधरन फॉरेस्ट होते हुए बनाली फॉरेस्ट के रास्ते से रामपुर बोनियर इलाके में दाखिल होने का निर्देश दिया गया है।

आतंकियों के साथ स्थानीय गाइड भी मौजूद

हालांकि सुरक्षा एजेंसी को मिले इनपुट के बाद उन सभी रास्तों और वैकल्पिक रास्तों पर कड़े बंदोबस्त किए गए हैं ताकि आतंकियों का हिसाब किताब मौके पर किया जा सके। खुफिया एजेंसी को मिली जानकारी के मुताबिक लश्कर ए तैयबा के आतंकी अबू जिंदाल की अगवाई में चार आतंकियों का समूह पीओके के लारी गांव में पहुंचा है। आतंकी भी घाटी में घुसने की फिराक में लगे हुए हैं। इन सभी आतंकियों के साथ कुछ स्थानीय गाइड भी है। तकरीबन एक दर्जन से ज्यादा आतंकियों को स्थानीय गाइड और आतंक के स्लीपर सेल का सक्रिय सदस्य इकबाल को इस पूरे ग्रुप को लीड कर घाटी के बॉर्डर पर लाने ले जाने की जिम्मेदारी लश्कर ए तैयबा ने दी है।

## उषा चिलुकुरी ने ऐसा क्या कहा कि स्टेडियम में खड़े हो गए लाखों लोग

-रिपब्लिकन की तरफ से उपराष्ट्रपति उम्मीदवार के समर्थन में दिया भाषण

वाशिंगटन, (ईएमएस)। रिपब्लिकन पार्टी के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार जेडी वेंस की पत्नी भारतीय मूल की उषा चिलुकुरी ने ऐसा भाषण दिया कि सुनकर सभी लोग हैरान रह गए। औरों से हटकर उषा ने अपने एक्सपीरियंस साझा किए, जिसे लोगों ने खासा पसंद किया।

भाषण की जगह उन्होंने अपनी गुजरी हुई जिंदगी के किस्से शेयर करते हुए कहा ये इसी देश की नियती थी कि जेडी वेंस से उनकी मुलाकात हो गई। जेडी से मुलाकात के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि उनकी मुलाकात लॉ स्कूल में हुई। जब जेडी ओहियो से निकल येल आए थे। हम उनके पहले दोस्त बने, मेरा मतलब है कि जेडी को कौन नहीं दोस्त बनाना चाहेगा। उषा कहती हैं कि उनके लिए जेडी तब से लेकर अब तक दिलचस्प इंसान ही हैं।

इससे पहले रिपब्लिकन के सदस्यों ने बताया कि वो किस लिए समर्थन मांग रहे हैं। उष अपने परिवार का बेकग्राउंड बताते हुए कहती हैं कि मेरा पारिवारिक बैकग्राउंड जेडी से काफी हटकर था। मैं सैनडियागो की एक मीडिल क्लास फैमिली वाली लड़की थी। मुझे प्यार करने वाले मेरे माता-पिता और भाई-बहन थे। जो कि हिन्दुस्तान से बतौर प्रवासी यहां आकर बसे थे। वहीं दूसरी तरफ एक वर्किंग क्लास आदमी जिसने अपना दुष्कारी बचपन झेला। एक टफ मरीन जो इराक में लड़ाई लड़ा हो। पर कौन जानता है कि जब वो घर पर होते हैं तो डॉग के साथ खेलते हैं। बेब फिल्में देखते हैं। ऐसे दृश्ढ़ निश्चयी एक व्यक्ति को मैं जानती हूं। उसकी महत्वकांक्षा पति और पिता बनने की और एक ऐसे परिवार की जिसका सपना उसने बचपन से संजो रखा था। ऐसे महान व्यक्ति जेडी और मेरा मिलना, फिर हम दोनों में प्यार होना और फिर शादी होना। यह सब इस महान देश की टेस्टमनी है। यह सब सुन लाखों लोग अपनी जगह से उठ कर उषा चिलुकुरी का सम्मान के साथ अभिवादन कर रहे थे। यहां बताते चलें कि जेडी वेंस ने भारतीय मूल की वकील उषा चिलुकुरी वेंस से प्रेमविवाह किया है। पत्नी ऊषा चिलुकुरी वेंस का उन्हें पूरा समर्थन प्राप्त है।

## कनाडा के इमिग्रेशन मिनिस्टर ने दिया विदेशी छात्रों को झटका

ओटावा(ईएमएस)। कनाडा सरकार ने इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय छात्र वीजा के लिए सीमा लागू की थी। विदेशी छात्रों की संख्या को कम करने के लिए ये कार्यक्रम शुरू किया गया है। कनाडा विदेशी छात्रों के लिए अपने दीर्घकालिक वीजा कार्यक्रम पर कड़ी नजर रख रहा है, ये सरकार की धीमी आप्रवासन और जनसंख्या वृद्धि की दिशा में नीति में बदलाव का संकेत है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि कनाडा के इमिग्रेशन मिनिस्टर मार्क मिलर ने कहा कि सरकार आप्रवासन को श्रम बाजार की मांगों के साथ संरेखित करने के लिए प्रांतों के साथ काम कर रही है। मिलर ने इस बात पर जोर दिया कि स्टडी वीजा को भविष्य के निवास या नागरिकता की गारंटी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों को खुद को शिक्षित करने के लिए यहां आना चाहिए और शायद घर जाकर उन कौशलों को अपने देश में वापस लाना चाहिए।

कनाडा पारंपरिक रूप से कुशल अप्रवासियों को आकर्षित करने के लिए विश्वविद्यालयों और कॉलेजों पर निर्भर रहा है लेकिन इस साल की शुरुआत में कनाडा ने अंतरराष्ट्रीय छात्र वीजा पर एक सीमा लागू की। इससे पिछले साल के 4,37,000 की तुलना में इस साल 300,000 से कम नए परमिट मिलने का अनुमान है। अब सरकार इस बात पर फोकस कर रही है कि इनमें से किसे छात्र-छात्राओं को पढ़ाई पूरी करने के बाद रेजिडेंसी दी जाए।कनाडा के मिलर ने यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया है कि अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए उपलब्ध नौकरियां उनकी योग्यता के अनुरूप हों। उन्होंने कुछ प्रांतों में श्रम की कमी के मद्देनजर स्नातकोत्तर कार्य परमिट के आवंटन पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि विदेशों से अनकैप्ड या अनियंत्रित ड्रॉ का तर्क अब नहीं रह गया है।

## राष्ट्रपति की रेस से हटे जो बाइडेन तो क्या होगा, कौन बनेगा विकल्प

वाशिंगटन(ईएमएस)। बढ़ती उम्र और सेहत अब अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को चुनाव लड़ने की इजाजत नहीं दे रही है। इसके चलते डेमोक्रेटिक पार्टी में उन पर दबाव बन रहा है कि वह राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी छोड़ दें। डोनाल्ड ट्रंप के मुकाबले डिबेट में उन्हें सोता हुआ देखा गया था और इस पर उन्होंने मान लिया था कि वह थक गए हैं। हालांकि राष्ट्रपति उम्मीदवारी छोड़ने के सवाल पर वह लगातार कहते रहे कि मैं पीछे नहीं हटूंगा। इस बीच चर्चा है कि 81 साल के जो बाइडेन राष्ट्रपति पद की रेस से हट भी सकते हैं। ऐसे में सवाल है कि जो बाइडेन यदि राष्ट्रपति चुनाव की रेस से हटते हैं तो फिर क्या होगा? पार्टी उनका विकल्प कैसे तलाशेगी। मौजूदा राष्ट्रपति कमला हैरिस को जो बाइडेन का उत्तराधिकारी माना जा रहा है। रेस में उनका नाम सबसे आगे है, लेकिन कैलिफॉर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम के नाम की भी चर्चा है। पूरे अमेरिका में डेमोक्रेट्स के बीच उनकी अच्छी साख है। इसके अलावा मिशिगन के गवर्नर ग्रेचेन विटनर के नाम भी चर्चा है। इन लोगों के अलावा इलिनियॉस के गवर्नर जेबी प्रित्जकर भी अच्छे उम्मीदवार हो सकते हैं।

बाइडेन राष्ट्रपति की रेस से हटना चाहते हैं तो उन्हें डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी को बताना होगा। इसके अलावा अन्य पक्षों को भी यह बात बतानी होगा कि वह रेस से हट रहे हैं। इसके बाद डीएनसी की ओर से इस पर मुहर लगाई जाएगी और उनके रेस से हटने की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके तहत एक अंतरिम नेता चुनाव जाएगा और नए उम्मीदवार के चयन के लिए प्रक्रिया चालू होगी। डेमोक्रेटिक पार्टी के कई कॉकस और कमेटियां हैं। जैसे कांग्रेस ब्लैक कॉकस, कांग्रेस हिस्पैनिक कॉकस और प्रोग्रेसिव कॉकस हैं। इनकी मीटिंग बुलानी होगी और उनमें नए कैंडिडेट की चर्चा होगी। इसके बाद संभावित उम्मीदवारों से बात की जाएगी और यह देखा जाएगा कि वह कितना समर्थन हासिल कर सकते हैं। डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी की ओर से नेताओं के साथ बैठकें की जाएंगी। इन मीटिंग्स में तय किया जाएगा कि आखिर जो बाइडेन का अच्छा विकल्प कौन हो सकता है। इस प्रक्रिया में डेटा एनालिसिस, पोलिंग की मदद ली जा सकती है। इसके अलावा संभावित उम्मीदवारों से भी सीधे बात हो सकती है। डेमोक्रेटिक पार्टी को नामांकन से जुड़े अपने कुछ नियमों में बदलाव भी करना होगा। पार्टी को कैंडिडेट का विकल्प तलाशने के लिए वोटिंग करानी होगी। कुछ कानूनी चुनौतियां भी होंगी। कुछ बैलेट्स पर भी बदलाव की जरूरत होगी। अहम बात यह है कि डेमोक्रेटिक पार्टी को अगस्त के पहले सप्ताह तक अपने उम्मीदवार का नाम तय करना होगा ताकि नामांकन हो सके। यह प्रक्रिया जटिल है। इसलिए जो बाइडेन को समय रहते ही पीछे हटना होगा और उनका विकल्प तलाशना होगा।

## जीयू में विदेशी विद्यार्थियों की संख्या में रेकॉर्ड वृद्धि, ३ हजार को प्रवेश

अहमदाबाद, १९ जुलाई। जीयू में इस साल ६ हजार विदेशी विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। अब तक २८ सौ को प्रवेश दिया है। इसमें से २ हजार ने प्रवेश कन्फर्म भी कर दिया है।

गुजरात विश्वविद्यालय ( जीयू ) में इस शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ में रेकॉर्ड विदेशी विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। यह संख्या बीते सालों की तुलना में ५०० फीसदी से भी ज्यादा है। जीयू में इस साल ६ हजार विदेशी विद्यार्थियों ने स्नातक, स्नातकोत्तर, इंटीग्रेटेड कोर्स और पीएचडी में प्रवेश के लिए आवेदन किया था। इसमें से करीब तीन हजार ( २८०० ) को प्रवेश दिया है। अमूमन हर साल २५० से ४०० विदेशी विद्यार्थी जीयू में प्रवेश लेते हैं, लेकिन इस साल यह संख्या काफी बढ़ी है।

गुजरात यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ.नीरजा गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष रेकॉर्ड ६ हजार विदेशी विद्यार्थियों के आवेदन आए और २८०० को प्रवेश दे दिया है। २ हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश को कन्फर्म भी कर दिया है। यह रेकॉर्ड प्रवेश हैं,क्योंकि अभी तक जीयू में प्रवेश लेने वाले विदेशी विद्यार्थियों की वार्षिक संख्या २५० से ४०० के बीच रहती थी। ज्यादातर छात्र पूर्वी अफ्रीका, दक्षिण एशिया, सार्क देशों से आए हैं। यूके , स्पेन के भी विद्यार्थी आए हैं।

कुलपति डॉ.नीरजा गुप्ता ने बताया कि जीयू विदेशी विद्यार्थियों को तवज्जो दे रही है। विदेशों में विवि और उनके प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात में यहां पढ़ने वाले बच्चों के अनुभव के वीडियो दिखाए गए हैं। जीयू होस्टल में अफगानिस्तान के विद्यार्थियों के साथ हुई घटना के बाद जीयू प्रशासन ने कई कदम उठाए। उनकी सुरक्षा बढ़ाई। उनकी होस्टल सुविधा बेहतर की। उस घटना के बाद कई देशों के डिप्लोमेट ने जीयू के दौरे किए। उनकी संतुष्टि का भी फायदा मिला। जीयू ने विदेशी विवि के साथ एमओयू किए हैं। उसका फायदा मिला है।

जीयू में विदेशी विद्यार्थियों की संख्या तो बढ़ी है, लेकिन इस साल अफगानिस्तान के एक भी छात्र को जीयू में प्रवेश नहीं मिला है। जीयू प्रशासन का कहना है कि होस्टल में हुई घटना के बाद से काफी सतर्कता बरती है। इसके अलावा अफगानिस्तान में सत्ता बदलने के बाद वहां के विद्यार्थियों को वीजा में भी दिक्कत हो रही है, जिससे वहां के छात्र को प्रवेश नहीं मिला है। होस्टल में हुई घटना का पुनरावर्तन ना हो इसलिए पूरे साल विदेशी विद्यार्थियों के साथ ओरिएंटेशन और कम्युनिकेशन पर जोर रहेगा।

## बिलकिस बानो के दोषियों की अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली ( ईएमएस )। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बिलकिस बानो मामले में 11 दोषियों में से दो की याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें उनकी छूट रद्द करने के 8 जनवरी के फैसले को चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने याचिका को पूरी तरह से गलत करार दिया और कहा कि वह शीर्ष अदालत की एक अन्य पीठ द्वारा पारित आदेश के खिलाफ अपील कैसे कर सकती है।

पीठ ने कहा, यह याचिका क्या है? यह याचिका कैसे स्वीकार्य है? यह पूरी तरह से गलत है। अनुच्छेद 32 के तहत याचिका कैसे दायर की जा सकती है? हम किसी अन्य पीठ द्वारा पारित आदेश के खिलाफ अपील नहीं कर सकते। दोषियों राधेश्याम भगवानदास शाह और राजूभाई बाबूलाल सोनी की ओर से पेश वकील ऋषि मल्होत्रा ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी।

पीठ ने वकील को याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी। शाह ने अंतरिम जमानत के लिए भी आवेदन किया है। मार्च में दोनों दोषियों ने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था और दलील दी थी कि उनकी सजा की माफी को रद्द करने वाला 8 जनवरी का फैसला 2002 के संविधान पीठ के आदेश के विपरीत है। उन्होंने इस मुद्दे को अंतिम निर्णय के लिए बड़ी पीठ को सौंपने की मांग की थी।

## पोरबंदर में १४ इंच बारिश से बाढ़ के हालात, ३ ट्रेनें रद्द

पोरबंदर, १९ जुलाई। गुजरात के पोरबंदर, जूनागढ़ सहित कई जगहों पर लगातार दूसरे दिन भी मूसलाधार बारिश से बाढ़ के हालात बन गए हैं। वहीं, पोरबंदर शहर में बुधवार १२ बजे से आज सुबह १० बजे तक १४ इंच बारिश ने तबाही मचा दी है। निचले इलाकों के घरों और दुकानों में पानी भर गया है। रेलवे ट्रैक डूब जाने के चलते तीन ट्रेनें पूरी तरह से रद्द कर दी गई हैं, जबकि २ ट्रेनें रि-शेड्यूल और ३ शॉर्ट टर्मिनेट की गईं हैं।

पोरबंदर के एमजी रोड, छाया चौकी रोड, सुदामा चौक समेत कई इलाकों में हालात ज्यादा खराब हैं। यहां से लोगों को निकालकर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। सड़कों पर खड़ी गाड़ियां डूब गई हैं। खापट इलाके में रवि पार्क सोसायटी में भी घुटनों तक पानी भर गया। इस तरह शहर में कई जगह चारों तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा है।

पोरबंदर के अलावा अन्य क्षेत्रों की बात करें तो पिछले चौबीस घंटों में राणावाव में ९ इंच, कुतियाणा में ६ इंच, भरवाड़ा में ४ इंच बारिश दर्ज की गई है। वाड़ी इलाके में बाढ़ में फंसे करीब १८ लोगों का रेस्क्यू किया गया है। पोरबंदर जिले की वर्तु नदी उफान पर है, जिससे कई गांवों में धान के खेत जलमग्न हो गए हैं।

बरदा पाठक में भी ८ इंच बारिश से हर ओर पानी ही पानी है। कई इलाके पानी में डूब गए हैं और खेत जलमग्न हो गए हैं। इसी तरह राणावाव शहर और ग्रामीण इलाकों में भारी बारिश के कारण कई इलाकों में पानी भर गया है। घेड तालुका में ओजत और मधुवंती नदियों में भी बाढ़ आ गई है।

तीन ट्रेनें आज पूरी तरह से रद्द की गईं - ट्रेन संख्या ०९५५०/०९५४९ पोरबंदर-भांवाद-पोरबंदर, ट्रेन संख्या ०९५६५/०९५६८ पोरबंदर-भावनगर-पोरबंदर, ट्रेन नंबर ०९५१६/०९५१५ पोरबंदर-कनालूस-पोरबंदर

रि-शेड्यूल ट्रेनें - ट्रेन नंबर १२९४९ पोरबंदर-संतरागाछी सुपरफास्ट ट्रेन १९/०७/२०२४ को अपने निर्धारित समय सुबह ९:१० बजे के बजाय दोपहर ३:१० बजे यानी ६ घंटे देरी से रवाना होगी। ट्रेन नंबर १९११९ गांधीनगर कैपिटल-वेरावल एक्सप्रेस १९/०७/२०२४ को अपने निर्धारित समय १०:३० बजे के बजाय ११:३० बजे गांधीनगर कैपिटल स्टेशन से रवाना करेगी।

शॉर्ट टर्मिनेट/शॉर्ट ओरिजिनेट/आंशिक रूप से रद्द ट्रेनें - ट्रेन संख्या १९५७१ राजकोट-पोरबंदर एक्सप्रेस १९/०७/२०२४ को जेतलसर स्टेशन पर समाप्त होगी। इस प्रकार यह ट्रेन जेतलसर-पोरबंदर के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या १९५७२ पोरबंदर-राजकोट एक्सप्रेस १९/०७/२०२४ को पोरबंदर के बजाय जेतलसर स्टेशन से चलेगी। इस प्रकार यह ट्रेन पोरबंदर-जेतलसर के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या २०९३८ दिल्ली सराय रोहिल्ला-पोरबंदर एक्सप्रेस १९/०७/२०२४ को भनवाद स्टेशन पर समाप्त होगी।

## विशेषज्ञ डॉ. चेतन त्रिवेदी ने बताया चांदीपुरा वायरस का ए टू जेड

### ६० प्रतिशत मामलों में वायरस के बारे में नहीं मिलती जानकारी, चांदीपुरा वायरस की पुष्टि होने में लगता है समय

अहमदाबाद, १९ जुलाई। गुजरात में चांदीपुरा वायरस लगातार का कहर लगातार जारी है। इस बिमारी का सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों पर नजर आ रहा है। इस वायरस के कारण अब तक कई बच्चों की मौत हो चुकी है। गुजराती जागरण टीम ने संक्रामक रोगों के विशेषज्ञ डॉ. चेतन त्रिवेदी ( वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ ) से बातचीत की। जिसमें उन्होंने विस्तार से बताया है कि चांदीपुरा वायरस कैसे होता है।

पिछले कुछ दिनों से गुजरात में चांदीपुरा वायरस के मामले बढ़ रहे हैं। इस वायरस से १६ बच्चों की मौत हो चुकी है। जबकि अन्य बच्चे अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं। ऐसे में चांदीपुरा वायरस को लेकर सभी के मन में काफी भ्रम है।

इस संबंध में संक्रामक रोगों के विशेषज्ञ डॉ. चेतन त्रिवेदी ( वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ ) से बातचीत की। जिसमें उन्होंने विस्तार से बताया है कि चांदीपुरा वायरस कैसे होता है, इसके लक्षणों को शुरुआत में कैसे पहचाना जा सकता है, इसका इलाज कैसे किया जाता है और यह वायरस कब खत्म होगा।

इस मामले को कन्फर्म में समय लगता है। कमर से खून के नमूने लेकर जांच के लिए भेजने के बाद पुष्टि की जाती है। जिस तरह से पेटेंट दिख रहा है उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये चांदीपुरा वायरस हो सकता है। चांदीपुरा वायरस ९ महीने से १४ साल तक के बच्चे को कभी भी हो सकता है।

कुछ गांवों में इस वायरस के मामले उन इलाकों से ज्यादा आ रहे हैं जहां साफ-सफाई, गंदगी और कूड़ा-कचरा है। फिलहाल ये मामले पंचमहल, सांबरकांठा और अरवल्ली से आ रहे हैं। इस वायरस में काफी बदलाव देखने को मिलते हैं। जैसे किसी मरीज को आज किसी तरह की कोई समस्या नहीं है लेकिन कल तेज बुखार है। जो १०३-१०४ डिग्री होता है। बुखार के बाद उल्टी होती है और कुछ देर बाद बच्चा बेहोश हो जाता है। इसे एईएस कहा जाता है। अब एईएस वायरस के साथ-साथ गैर-वायरस के कारण भी हो सकते हैं, इसलिए इसे ऑटो एंटीबॉडी कहा जाता है। इसलिए अधिकांशतः यही कहा जाता है कि यह वायरस के कारण होता है। ६० प्रतिशत मामलों में, यह एईएस वायरस का पता नहीं लगाएगा।

इससे पहले बिहार में लीची वायरस फैला था। यह वायरस बुखार, दस्त-उल्टी, ऐंठन और बेहोशी जैसे लक्षण भी पैदा करता है। २४ घंटे के अंदर मरीज का लीवर और किडनी का पैरामीटर खराब हो जाता है। लीवर, किडनी और हृदय प्रभावित होते हैं। यानी अगर किसी बच्चे को तेज बुखार, दस्त, उल्टी, ऐंठन और बेहोशी हो, दस्त के एक या दो दौर में बच्चे की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाए तो हमें तुरंत इलाज शुरू करना होगा।

## सनातन संस्था द्वारा अहमदाबाद समेत देश के 75 स्थानों पर गुरुपूर्णिमा महोत्सव आयोजन

अहमदाबाद ( ईएमएस ) हिंदू धर्म की सर्वोत्तम परंपराओं में से एक है गुरु-शिष्य परंपरा! गुरुपूर्णिमा के दिन गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की परंपरा अनादिकाल से चली आ रही है। गुरुपूर्णिमा के दिन सामान्य से हजार गुना अधिक कार्य करने वाले गुरुत्व का लाभ समाज को मिल सके, इस उद्देश्य से सनातन संस्था की ओरसे 21 जुलाई 2024 को गुरुपूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया है। इस वर्ष यह महोत्सव देशभर में 75 स्थानों पर जबकि गुजरात में अहमदाबाद, वडोदरा औरवापी में गुजराती, मराठी, हिंदी, बंगाली, तमिल,मलयालमआदिभाषाओंमें आयोजित किया जाएगा। सनातन संस्था ने सभी देशों और धर्मनिष्ठ हिंदुओं के लिए एक परिवार के रूप में इस अनमोल त्योहार का लाभ उठाने का आह्वान किया है। प्राचीन काल से ही जब जब राष्ट्र और धर्म संकट में होता है तब धर्म स्थापना का कार्य इसी गुरु-शिष्य परंपरा द्वारा किया जाता रहा है। अब भी समाज, राष्ट्र और धर्म की स्थिति दयनीय हो गयी है। ऐसे समय में लोकतंत्र में जन-जन को त्रस्त करने वाली बुराइयों से लड़ना और रामराज्य जैसे हिंदू राष्ट्र की स्थापना करना ही समय के अनुरूप सर्वोत्तम गुरुसेवा है। उसके लिए श्री व्यासपूजन एवं प.पू. भक्तराज महाराजजी की प्रतिमा का पूजन ( गुरुपूजन ); समाज, राष्ट्र और धर्म के बारे में पुरुषों के विचार; साथ ही रामराज्य की स्थापना हेतु आनंदप्राप्ति एवं साधना विषय पर माननीय वक्ताओं का विशेष मार्गदर्शन होगा। इस महोत्सव में धर्म, अध्यात्म, साधना, बाल संस्कार,आयुर्वेद, आत्मरक्षा, हिंदू राष्ट्र आदि विभिन्न विषयों पर प्रदर्शन किया जाता है।

## 'राहुल गांधी ने मतदाताओं को किया ब्लैकमेल, इससे कई राज्यों में भाजपा को हुआ नुकसान', केंद्रीय मंत्री का दावा

अहमदाबाद। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने लोकसभा चुनाव में कई राज्यों में भाजपा को नुकसान की वजह राहुल गांधी की ओर से फैलाई गई अफवाह को बताया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने मतदाताओं को यह कहकर ब्लैकमेल किया कि अगर भाजपा 400 सीटें जीत गई तो संविधान बदल देगी और आरक्षण खत्म कर देगी। इसके चलते भाजपा को कई राज्यों में नुकसान हुआ।

केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री रामदास अठावले अपने मंत्रालय की योजनाओं की समीक्षा करने गुजरात आए थे। उन्होंने कहा कि तमाम अफवाहों के बाद भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जीत हुई और 292 सीटों के स्पष्ट बहुमत के साथ भाजपा के नेतृत्व में राजग ने सरकार बनाई।

अठावले ने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 303 और राजग को 353 सीटें मिली थीं। सरकार के पांच साल के काम के आधार पर प्रधानमंत्री मोदी ने अबकी बार 400 पार का नारा दिया था। प्रधानमंत्री को हराने के लिए विपक्ष एकजुट हुआ। इसके बाद फर्जी बातें फैलाकर मतदाताओं को ब्लैकमेल किया गया, लेकिन राहुल गांधी इसमें विफल साबित हुए।

केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी के प्रमुख अठावले ने कहा कि राहुल गांधी की फर्जी बातों का लोगों पर प्रभाव पड़ा और उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और बंगाल में पार्टी को सीटों का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि तेदेपा के चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार एनडीए के साथ हैं।

अठावले ने राहुल गांधी को लोकसभा में विपक्ष का नेता बनने पर बधाई देते हुए कहा कि मोदी सरकार पांच साल पूरे करेगी। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण की देखभाल करता है और उनके सामाजिक और आर्थिक उत्थान को सुनिश्चित करता है।

उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में हमने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। अगले पांच वर्षों में हम बाकी लोगों को गरीबी से बाहर लाने की कोशिश करेंगे। आगामी केंद्रीय बजट समाज के हर वर्ग का विकास सुनिश्चित करेगा।

## न्यायिक हिरासत में भेजी गई सीआईडी की निलंबित महिला पुलिसकर्मी

अहमदाबाद, १९ जुलाई। शराब तस्करी के आरोप में पकड़ी गई सीआईडी क्राइम की निलंबित महिला पुलिसकर्मी नीता चौधरी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। नीता चौधरी महंगी कारों की शौकीन है। उसके कई बडे नेताओं व पुलिस अधिकारियों के साथ अच्छे संबंध के कारण पुलिस विभाग में मनमानी करती रही है। वह इंटरनेट मीडिया पर भी काफी सक्रिय है।

शराब तस्कर के साथ मिलकर कच्छ-भुज में पुलिसकर्मी को कार से कुचलने के प्रयास तथा शराब तस्करी के आरोप में पकड़ी गई सीआईडी क्राइम की निलंबित महिला पुलिसकर्मी नीता चौधरी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। एक आईपीएस तथा उत्तर गुजरात के नेता के साथ करीबी संबंधों के चलते नीता पुलिस विभाग में मनमानी करती रही है।

कच्छ के भचाऊ में शराब तस्कर युवराज सिंह जाडेजा के साथ कार में घूमते पकड़ी गई सीआईडी क्राइम की हाई प्रोफाइल निलंबित महिला पुलिसकर्मी को एक जुलाई को भचाऊ में पुलिसकर्मी को कुचलने के प्रयास के आरोप में साथी तस्कर के साथ पकडा गया था। वह पुलिस की गिरफ्त से चार जुलाई को फरार हो गई थी।

आतंकवाद निरोधक दस्ते ने गत दिनों उसे राजकोट के पास लींबडी से दबोच लिया था। बताया जा रहा है कि युवराज के साले ने उसे यहां आश्रय दिया लेकिन पुलिस ने अभी तक आश्रयदाताओं के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की है।

नीता चौधरी महंगी कारों की शौकीन है। उसके कई बडे नेताओं व पुलिस अधिकारियों के साथ अच्छे संबंध के कारण पुलिस विभाग में मनमानी करती रही है। वह इंटरनेट मीडिया पर भी काफी सक्रिय है तथा विभाग की ओर से रील बनाने पर मनाही के बावजूद वह आधुनिक पोशाक में महंगी कारों के साथ अलग अलग पर्यटन स्थलों पर रील बनाती रहती है। वहीं, पुलिस ने शराब तस्कर युवराज को पकड़ने के लिए जाल बिछाया था, उसने पुलिसकर्मी को कार से कुचलकर भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस की नाकेबंदी में ये दोनों एक ही कार से दबोच लिये गये।

## गुजरात में भारी बारिश को लेकर कई जिलों में अलर्ट, 24 घंटों में 99 तहसीलों में बारिश

अहमदाबाद ( ईएमएस ) गुजरात में भारी से अतिभारी बारिश को लेकर कहीं रेड तो कहीं ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया हैं वलसाड, पोरबंदर और द्वारका में आज बहुत भारी बारिश के साथ रेड अलर्ट। सूरत, नवसारी, दमन और दादरा नगर हवेली ने आज भारी से अति भारी बारिश के साथ ऑरेंज अलर्ट है। जूनागढ़, अमरेली, गिर सोमनाथ और दीव भी ऑरेंज अलर्ट पर हैं। वडोदरा, छोटाउदेपुर, नर्मदा, भरूच, डांग और तापी में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया हैं कच्छ, राजकोट, जामनगर और भावनगर में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया हैं मौसम विभाग के मुताबिक बनासकांठा, पाटन, मेहसाणा, साबरकांठा, गांधीनगर और खेड़ा में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। इसके अलावा अहमदाबाद, आणंद, पंचमहल, दाहोद, महिसागर, अमरेली और मोरबी में भी गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान हैं पिछले 24 घंटों में पोरबंदर में 14 इंच, राणावाव में 10 इंच और कुतियाना में 6 इंच बारिश हुई हैं भारी बारिश के कारण पोरबंदर शहर जिले में बाढ़ आ गई है और खेत-खलिहान समेत घरों में पानी गुस गया हैं द्वारका के कल्याणपुर में 10 इंच, वेरावल सूत्रापाड़ा में 7 इंच और जूनागढ़ में छह से सात इंच बारिश हुई हैं 24 घंटों में राज्य के 99 तालुकाओं में भारी बारिश दर्ज की गई हैं 14 तालुकाओं में 3 से साढ़े 3 इंच बारिश दर्ज की गई है, जबकि अन्य तालुकाओं में आधा से ढाई इंच बारिश दर्ज की गई हैं मौसम विभाग ने राज्य में 2 दिन भारी बारिश की भविष्यवाणी की हैं कुछ जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका हैं वलसाड जिले में आज भारी बारिश का अनुमान हैं वलसाड, सूरत, तापी, दमन में ऑरेंज अलर्ट दिया गया हैं

## सेमीकंडक्टर सेक्टर में हाई-टेक मैनपावर तैयार करने की दिशा में गुजरात तेज गति से आगे बढ़ रहा है

गांधीनगर ( ईएमएस ) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को गांधीनगर में 'गुजरात सेमीकनेक्ट कॉन्फ्रेंस 2024' का शुभारंभ कराते हुए सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को अधिक संगीन व सुदृढ़ करने का प्रेरक आह्वान किया। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सेमीकंडक्टर तथा इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में भारत को ग्लोबल डेस्टिनेशन बनाने का संकल्प किया है, जिसे साकार करने में गुजरात अपना योगदान देने के लिए तत्पर है। राज्य सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में इस एक दिवसीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था। गुजरात सेमीकडंक्टर पॉलिसी ( 2022-27 ) तथा गुजरात इलेक्ट्रॉनिक्स पॉलिसी ( 2022-28 ) के अनुरूप डोमेस्टिक सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम के विकास एवं भारत सरकार के सेमीकंडक्टर कार्यक्रम को वेग देने के उद्देश्य से आयोजित इस कॉन्फ्रेंस के शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तीसरी टर्म में भारत विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनने वाला है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में यह सेमीकंडक्टर सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कॉन्फ्रेंस के आयोजन को 'राइट जॉब एट राइट टाइम' बताया। भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि विश्व को आज रिलायेबल तथा ट्रस्टेड चिप सप्लाई चेन की आवश्यकता है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए प्रधानमंत्री ने सेमीकंडक्टर सेक्टर में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के इरादे के साथ इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन प्रारंभ किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के संकल्पों तथा विजन को पूरा करने में गुजरात सदैव अग्रसर रहा है। गुजरात ने देशभर के राज्यों में सर्वप्रथम रहते हुए वर्ष 2022 में गुजरात सेमीकंडक्टर पॉलिसी लागू की है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि धोलेरा भी प्रथम ग्रीनफील्ड स्मार्ट सिटी बनने वाला है और राज्य सरकार ने सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के लिए धोलेरा में प्लग एंड प्ले सुविधा विकसित की है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले कुछ समय में मेक इन इंडिया तथा आत्मनिर्भर भारत के प्रतीक के रूप में देश की पहली सेमीकंडक्टर चिप गुजरात में बनेगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि देश में सेमीकंडक्टर सेक्टर में निवेश करने के इच्छुक निवेशकों में से 80 प्रतिशत से अधिक निवेशक गुजरात में अपनी इकाइयाँ शुरू करने को उत्सुक हैं।

## माइक्रोन टेक्नोलॉजी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री गुरशरण सिंह ने मुख्यमंत्री के साथ की वन टू वन बैठक

गांधीनगर 19 जुलाई : दिग्गज अमेरिकी चिप निर्माता कंपनी माइक्रोन टेक्नोलॉजी के उपाध्यक्ष ( ग्लोबल ऑपरेशंस ) श्री गुरशरण सिंह ने शुक्रवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के साथ वन टू वन बैठक की।

उन्होंने महात्मा मंदिर में आयोजित 'गुजरात सेमीकनेक्ट कॉन्फ्रेंस 2024' के उद्घाटन सत्र के बाद मुख्यमंत्री के साथ यह बैठक की। सिंह ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल को बताया कि गुजरात के युवाओं में सेमीकंडक्टर सेक्टर में करियर बनाने का जबरदस्त उत्साह नजर आ रहा है। इस संदर्भ में श्री गुरशरण सिंह ने कहा कि, विशेषकर इंजीनियर, टेक्निशियन और ऑपरेटर जैसे तकनीकी पदों के लिए युवा उत्सुक हैं।

उन्होंने बताया कि माइक्रोन द्वारा ऐसे युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर प्रोडक्शन फैसिलिटी में कार्यरत करने के लिए तैयार किया जाता है। इसके अंतर्गत अब तक 47 लोगों को प्रशिक्षण दिया गया है। मुख्यमंत्री के साथ बातचीत में उन्होंने अनुरोध किया कि राज्य सरकार साणंद औद्योगिक क्षेत्र ( जीआईडीसी ) में फ्री ट्रेड वेयरहाउस फैसेलिटी शुरू करे।

इसके अलावा, उन्होंने साणंद स्थित उनके प्लांट में कार्यरत युवाओं के लिए आवास सुविधा उपलब्ध कराने में भी राज्य सरकार के आवश्यक सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस संदर्भ में उन्हें राज्य सरकार की ओर से उचित मदद का आश्वासन दिया।

इस वन टू वन बैठक में मुख्य सचिव श्री राज कुमार, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री एस.जे. हैदर और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती मोना खंधार सहित कई वरिष्ठ सचिव उपस्थित रहे।

## अहमदाबाद-तिरुचिरापल्ली साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के मार्ग में परिवर्तन

दक्षिण रेलवे के चेन्नई मंडल के ताम्बरम स्टेशन पर मेजर नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण ट्रेन संख्या 09419/09420 अहमदाबाद-तिरुचिरापल्ली-अहमदाबाद साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के चार फेरे परिवर्तित मार्ग से चलने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

ङ ट्रेन संख्या 09419 अहमदाबाद-तिरुचिरापल्ली स्पेशल 25 जुलाई से 15 अगस्त 2024 तक चार ट्रिप परिवर्तित मार्ग से चलेगी तथा रेनिगुंटा, तिरुतणि, काटपाड़ी, तिरुवण्णामलै, विल्लुपुरम, कडलूर, चिदंबरम, शिरकाषि, वैद्दीश्वरणकोइल, मयिलाडतरै, कुंभकोणम, पापनाशम एवं तंजावूर स्टेशनों पर रुकेगी।

ङ ट्रेन संख्या 09420 तिरुचिरापल्ली-अहमदाबाद स्पेशल 28 जुलाई से 18 अगस्त 2024 तक चार ट्रिप परिवर्तित मार्ग से चलेगी तथा रेनिगुंटा, तिरुतणि, काटपाड़ी, तिरुवण्णामलै, विल्लुपुरम, कडलूर, चिदंबरम, शिरकाषि, वैद्दीश्वरणकोइल, मयिलाडतरै, कुंभकोणम, पापनाशम एवं तंजावूर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन का अहमदाबाद और रेणिगुंटा के बीच ठहराव, मार्ग एवं समय में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

ट्रेनों के ठहराव, मार्ग और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपयौ .र्हल्बिङ्ग्र्ह्रीहॅग्रुदन्ग्रह पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

## एनटीपीसी ने इकोनोमिक्स टाईम्स ( ईटीएचआर वर्ल्ड ) फ्यूचर स्किल्स अवॉर्ड्स 2024 में जीते तीन पुरस्कार

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 2024: देश की सबसे बड़ी एकीकृत विद्युत कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड को इकोनोमिक टाईम्स ( ईटीएचआर वर्ल्ड ) फ्यूचर स्किल्स अवॉर्ड्स 2024 में तीन प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। ये पुरस्कार कार्यस्थल पर लर्निंग में उपलब्धि और उत्कृष्ट इनोवेशन की पुष्टि करते हैं। एनटीपीसी को निम्नलिखित तीन श्रेणियों में पुरस्कार मिले हैंः

द बेस्ट यूज़ ऑफ एआई/एआर/वीआर इन लर्निंग एण्ड अपस्किलिंग- गोल्ड

द बेस्ट अडवान्स इन क्रिएटिंग एन एक्सटेंडेड एंटरप्राइज़ लर्निंग प्रोग्राम- गोल्ड

द बेस्ट यूज़ ऑफ गेम्स ऑर सिमुलेशन्स इन एलएण्डडी- सिल्वर

ये पुरस्कार गुरूग्राम में आयोजित एक समारोह के दौरान मिस रचना सिंह बहल, सीजीएम ( स्ट्रैटेजिक एचआर और टैलेंट मैनेजमेन्ट एवं हैड पीएमआई ), श्री आलोक कुमार त्रिपाठी, जीएम ( आरएलआई सिपत ) और श्री चन्द्रमौली एस जंगबहादुर, जीएम ( स्ट्रैटेजिक एचआर एवं टैलेंट मैनेजमेन्ट, सीओई-एचआर ) एवं अन्य अधिकारियों को दिए गए।

ये पुरस्कार प्रक्रियाओं में सतत सुधार, कर्मचारियों की सक्रियता, लर्निंग एवं विकास, कर्मचारियों के कल्याण तथा उन्हें विकास एवं करियर के अवसर उपलब्ध कराते हुए मानव संसाधन के विकास और प्रबन्धन में उत्कृष्टता हासिल करने की एनटीपीसी की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।

## 21 जुलाई की वडोदरा-जामनगर इंटरसिटी एक्सप्रेस रद्द

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर अहमदाबाद-विरमगाम सेक्शन में अ्रण्ण्घ् के साणंद ( दक्षिण ) स्टेशन से साणंद स्टेशन की कनेक्टिविटी के संबंध में नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते 21 जुलाई, 2024 की ट्रेन संख्या 22959 वडोदरा-जामनगर इंटरसिटी एक्सप्रेस को रद्द कर किया गया है। ट्रेनों के परिचालन, समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री ै.र्हल्बिङ्ग्र्ह्रीहॅग्रुदन्ग्रह पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

## राजकोट मंडल के 4 कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए डीआरएम ने किया सम्मानित

राजकोट मंडल रेल प्रबंधक श्री अश्विनी कुमार ने राजकोट मंडल में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 4 कर्मचारियों को सम्मानित किया। श्री पी आर राठौड़ की रेल मदद कंप्लेन सेल की टीम को 24*7 कार्य करते हुए लगातार शिकायतों के निपटारे त्वरित करने ओर पैसेंजर फीडबैक में उत्कृष्ट रिमार्क प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, दुर्घटना राहत गाड़ी की श्री मानिक राज की टीम ने विविध गैजेट्स का निर्माण किया जिसने कार्य की कुशलता को बढ़ाया। वहीं, श्री जितेंद्र कुमार की टीम ने जामनगर में वंदे भारत के लोको का डोम कवर ग्ंध ( र्ंर्तिल्ह ध्नी ) होने पर टूट गया था, जिसे रात्रि पाली में विलंबित किए बिना ट्रेन को सही कर दिया। इन सभी उल्लेखनीय कार्यों के लिए सभी अनुरक्षण कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य और रेल सेवा में समर्पण के लिए पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर राजकोट मंडल के वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर श्री अभिषेक कुमार सिंह उपस्थित थे।

## टाटा एआईजी ने गैर-जीवन बीमा उत्पादों के वितरण को व्यापक बनाने के लिए महिंद्रा फाइनेंस के साथ की रणनीतिक साझेदारी

मुंबई, 18 जुलाई, 2024: भारत में सामान्य बीमा क्षेत्र में लीडिंग प्रोवाडर्स कंपनी टाटा एआईजी ने भारत की अग्रणी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों में से एक महिंद्रा फाइनेंस के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी का उद्देश्य महिंद्रा फाइनेंस के व्यापक ग्राहक नेटवर्क में टाटा एआईजी के गैर-जीवन बीमा उत्पादों के वितरण को बढ़ावा देना है।

इस साझेदारी के तहत, टाटा एआईजी महिंद्रा फाइनेंस के 10 मिलियन से अधिक ग्राहकों को मोटर, स्वास्थ्य, व्यक्तिगत दुर्घटना और अन्य गैर-जीवन बीमा समाधानों सहित सामान्य बीमा उत्पादों की एक व्यापक श्रृंखला की पेशकश करेगा।

टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ नीलेश गर्ग ने कहा, ठमहिंद्रा फाइनेंस के साथ यह सहयोग हमारे बीमा उत्पादों को और अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मजबूत कॉर्पोरेट गवर्नेंस और मजबूत मूल्य व्यवस्था के समान आधार पर, हम अपने साझेदारों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने वाले अनुकूलित समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे कि व्यापक सुरक्षा और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

पश्चिम रेलवे-राजकोट मण्डल

**व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध**

निविदा के लिए नोटिस (एन.आई.टी.); मंडल रेल प्रबन्धक (संकेत एवं दूरसंचार) पश्चिम रेल्वे, कोठी कम्पाउण्ड, राजकोट - 360001, द्वारा प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया के एवज मे ऑन लाइन निविदा नीचे बताए गये कार्य हेतु मांगा जाता हैं। **निविदा संख्या: DRM-RJT-24-25-SnT-E-09 DT. 12/07/2024; कार्य का नाम:** राजकोट डिवीज़न: मेधा (वाणीरोड (वीएनआरडी)-बालारोड (बीएलआरडी) सेक्शन) तीन साल के लिए राजकोट डिविजन के वाणीरोड-बालारोड सेक्शन मे 08 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम (मेधा मेक), मॉडल एमईआई 633 के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध के प्रावधान का नवीनीकरण।; **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 2,18,58,341.76 (₹ दो करोड़ अठारह लाख अट्ठावन हजार तीन सौ इकतालीस रुपये और छिहत्तर पैसे केवल); **बयाना जमा राशि:** ₹ 2,59,300/- (₹ दो लाख उनसठ हजार तीन सौ केवल); **निविदा फॉर्म किम्मत:** ₹ 00.00 (₹ शून्य केवल) As Per Para-3, GCC-July-2022; के अनुसार; **निविदा प्रति जमा करने की अन्तिम दिनांक व समय:** दि:- 12/08/2024 के 15:30 बजे तक; **वेबसाइट:** www.ireps.gov.in 59

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95